वर्ष: 4 अंक: 08

16-31 अक्टूबर, 2023 (निःशुल्क)

न्यू इंडिया समाचार



नारी शक्ति वंदन अधिनियम

आधी आबादी, सार्थक भागीदारी

नई संसद से ऐतिहासिक शुरुआत, संसद ने पहले कार्य के रूप में महिला आरक्षण बिल पारित करा नारी शक्ति के वंदन से शुरू की है अमृत यात्रा...



जी-20 से भारत ने अपने नेतृत्व का मनवाया लोहा

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद जी-20 के शानदार आयोजन ने हर भारतीय की खुशी को दोगुना कर दिया। 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम ने अपने नौ वर्ष पूरे किए हैं। इससे पूर्व 24 सितंबर को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने इस शिखर सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में स्थायी सदस्य बनाकर अपने नेतृत्व का लोहा मनवाया। इस कार्यक्रम में उन्होंने नैनीताल घोड़ा लाइब्रेरी, विश्व धरोहर सूची में शांति निकेतन और कर्नाटक के पवित्र होयसल मंदिरों को शामिल करने सहित कई अन्य विषयों पर भी बात की। प्रस्तुत हैं मन की बात के अंश...

- **बना रिकार्ड :** जब चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा पर उतरने वाला था तब एक साथ करोड़ों लोग अलग-अलग माध्यमों के जरिए इस घटना के पल-पल के साक्षी बन रहे थे। इसरो के यूट्यूब लाइव चैनल पर 80 लाख से ज्यादा लोगों ने इस घटना को देखा। यह अपने आप में एक रिकार्ड है।
- **आर्थिक कॉरिडोर :** जी-20 में भारत ने आर्थिक कॉरिडोर सुझाया है। ये है भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर। यह कॉरिडोर आने वाले सैकड़ों वर्षों तक विश्व व्यापार का आधार बनेगा। इतिहास इस बात को हमेशा याद रखेगा कि इस कॉरिडोर का सूत्रपात भारत की धरती पर हुआ था।
- **भारत के प्रति आकर्षण :** बीते कुछ वर्षों में भारत के प्रति आकर्षण बहुत बढ़ा है। जी-20 के सफल आयोजन के बाद दुनिया के लोगों की रूचि भारत में और बढ़ गई है।
- **भारतीय संगीत :** 21 साल की कैसमी इन दिनों इंस्टाग्राम पर छाई हुई है। जर्मनी की रहने वाली कैसमी कभी भारत नहीं आई है लेकिन वो भारतीय संगीत की दीवानी है। जिसने भारत को देखा तक नहीं, उसकी भारतीय संगीत में ये रूचि बहुत ही प्रेरक है।
- **घोड़ा लाइब्रेरी :** नैनीताल जिले में कुछ युवाओं ने बच्चों के लिए अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी की शुरुआत की है। इस लाइब्रेरी की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि दुर्गम से दुर्गम इलाकों में भी इसके जरिए बच्चों तक पुस्तकें पहुंच रही हैं।
- **अच्छा दोस्त किताब :** आज का दौर डिजिटल टेक्नोलॉजी और ई-बुक्स का है, फिर भी किताबें हमारे जीवन में हमेशा एक अच्छे दोस्त की भूमिका निभाती हैं। इसलिए हमें बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- **जीव-जंतु :** बीते कुछ वर्षों में देश में शेर, बाघ, तेंदुआ और हाथियों की संख्या में उत्साहवर्धक बढ़ोत्तरी देखी गई है। कई और प्रयास भी निरंतर जारी हैं ताकि इस धरती पर रह रहे दूसरे जीव-जंतुओं को बचाया जा सके।
- **सांपों का संरक्षण :** राजस्थान के पुष्कर में सुखदेव भट्ट और उनकी टीम सांपों के संरक्षण से जुड़े एक प्रयास में जुटी है। इस टीम ने अब तक 30 हजार से ज्यादा सांपों का जीवन बचाया है।
- **कबूतरों की सेवा :** तमिलनाडु के चेन्नई में ऑटो ड्राइवर एम.राजेंद्र प्रसाद एक अनोखा काम कर रहे हैं। वो पिछले 25-30 साल से कबूतरों की सेवा के काम में जुटे हैं। खुद उनके घर में 200 से ज्यादा कबूतर हैं। वही पक्षियों के भोजन, पानी, स्वास्थ्य जैसी हर जरूरत का पूरा ध्यान रखते हैं।
- **नदी पुनर्जीवित :** आजादी के अमृतकाल में उत्तर प्रदेश के संभल में देश ने कर्तव्य भावना की एक अद्भुत मिसाल देखी। जनभागीदारी से वर्षों पहले विलुप्त हो चुकी सोत नदी को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है।
- **सीखने की लगन :** जब इरादे अटल हों और कुछ सीखने की लगन हो तो कोई काम, मुश्किल नहीं रह जाता है। पश्चिम बंगाल की शकुंतला सरदार ने इस बात को बिल्कुल सही साबित करके दिखाया है। उन्होंने एक सिलाई मशीन से ये कमाल किया। आज वो कई दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।
- **वोकल फॉर लोकल :** हमारे देश में त्यौहारों का सीजन भी शुरू हो चुका है। आप सभी के घर में भी कुछ नया खरीदने की योजना बन रही होगी। उमंग, उत्साह के इस वातावरण में आप वोकल फॉर लोकल का मंत्र भी जरूर याद रखें।

'मन की बात' पूरी सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

न्यू इंडिया
समाचार

वर्षः 4, अंकः 08 । 16-31 अक्टूबर 2023

प्रधान संपादक
मनीष देसाई
प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

वरिष्ठ सलाहकार संपादक
संतोष कुमार

वरिष्ठ सहायक सलाहकार संपादक
पवन कुमार

सहायक सलाहकार संपादक
अखिलेश कुमार
चन्दन कुमार चौधरी

भाषा संपादन
सुमित कुमार (अंग्रेजी)
जय प्रकाश गुप्ता (अंग्रेजी)
नदीम अहमद (उर्दू)
पॉलमी रक्षित (बंगाली)

सीनियर डिजाइनर
फूलचंद तिवारी
राजीव भार्गव
डिजाइनर
अभय गुप्ता
फिरोज अहमद



13 भाषाओं में उपलब्ध न्यू इंडिया समाचार को पढ़ने के लिए क्लिक करें।

https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

न्यू इंडिया समाचार के पुराने अंक पढ़ने के लिए क्लिक करें

https://newindiasamachar.pib.gov.in/archive.aspx

न्यू इंडिया समाचार के बारे में लगातार अपडेट के लिए फॉलो करें: @NISPIBIndia

अंदर के पन्नों पर...

महिला आरक्षण बना संकल्प से सिद्धि का एक और उदाहरण



आवरण कथा

केवल नारी उत्थान नहीं, नारी के नेतृत्व में विकास की दृष्टि बीते चंद वर्षों में राष्ट्र की नीति बनी है। इसी नीति को अब वैश्विक एजेंडा बनाने के साथ ही भारत का नए संसद भवन में प्रवेश, भारत की नारी शक्ति के लिए विशेष अवसर बना। अब लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का मार्ग हुआ प्रशस्त...

| 8-24

व्यक्तित्व - पूर्व उप राष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत



'अंत्योदय अन्न योजना' से जिन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए भोजन का किया प्रबंध | 6-7

विकास यात्रा निरंतरता की अनिवार्य शर्त : स्वच्छ, स्पष्ट और स्थिर शासन



पीएम बोले-युवा शक्ति द्वारा संचालित सकारात्मक परिवर्तनों का भारत गवाह बन रहा है | 38-40

समाचार सार | 4-5

स्वच्छ भविष्य के लिए श्रेष्ठ प्रयास की स्वच्छांजलि
कचरा मुक्त राष्ट्र के लिए 1 अक्टूबर को एक घंटा स्वच्छता सेवा | 28-29

युवाओं के सपने सच करने का माध्यम बना रोजगार मेला
पीएम मोदी ने बांटे 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र | 30-31

एक साथ 11 राज्यों को मिली वंदे भारत कनेक्टिविटी
मजबूत कनेक्टिविटी के लिए नौ वंदे भारत ट्रेन को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी | 32-33

सफलता की नित-नई ऊंचाइयां छू रहा वाइब्रेंट गुजरात
समिट के 20 वर्ष पूरे होने वाले कार्यक्रम में पीएम मोदी हुए शामिल | 34-35

राष्ट्र के विकास में मजबूत भागीदार श्रमेव जयते
श्रमेव जयते कार्यक्रम के नौ वर्ष पूरे होने पर विशेष आलेख | 36-37

वाराणसी को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम



बढ़ती अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं बनाएंगी वाराणसी को भविष्य के भारत का भव्य प्रतीक | 25-27

प्रकाशक और मुद्रकः धीरेन्द्र ओझा, महानिदेशक, सीबीसी (केंद्रीय संचार ब्यूरो) । **मुद्रणः** इनफिनिटी एडवरटाइजिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, एफबीडी वन कॉर्पोरेट पार्क, 10वी मंजिल, नई दिल्ली- फरीदाबाद बॉर्डर, एनएच-1, फरीदाबाद-121003। **पत्राचार और ईमेल के लिए पताः** कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना भवन, द्वितीय तल, नई दिल्ली- 110003। **ईमेल-** response-nis@pib.gov.in आर. एन. आई. नंबर DELHIN/2020/78812

संपादक की कलम से...

महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग हुआ प्रशस्त

सादर नमस्कार।

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः"

अर्थात् जहां पर स्त्रियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। जहां पर ऐसा नहीं होता है वहां पर सभी कार्य निष्फल होते हैं।

भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान की संपूर्णता मात्र इस एक श्लोक से ही स्पष्ट हो जाती है। महिला शक्ति के बिना किसी राष्ट्र की समृद्धि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ऐसे में केवल नारी उत्थान नहीं, नारी के नेतृत्व में विकास की दृष्टि राष्ट्र की नीति बनी है। इसी नीति ने नारी शक्ति को सशक्त बनाया है और आज हर क्षेत्र में वह अभिमान बनकर उभर रही हैं। सेना हो या स्टार्टअप, ओलंपिक हो या रिसर्च, शिक्षा-विज्ञान हो या राजनीति, उद्यम, खेल सहित हर क्षेत्र में महिला शक्ति आज आसमान छू रही है। नए भारत में आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं।

अब अमृत काल में नारी शक्ति का अभ्युदय सुनिश्चित हो, इसके लिए सशक्तीकरण की इस यात्रा को तेज गति से आगे बढ़ाना सभी का दायित्व है। केंद्र सरकार की सोच है कि नारी शक्ति के प्रति सम्मान के साथ नए दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल एक प्रतीक न हो, बल्कि वास्तविक हो, हर स्तर पर, हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व सुनिश्चित हो। इसी सोच के साथ नई संसद में प्रवेश नारी शक्ति के साथ-साथ पूरे राष्ट्र के लिए विशेष अवसर बन गया है। तीन दशकों से लटका महिला आरक्षण बिल वर्तमान केंद्र सरकार के प्रयासों से केवल तीन दिन में यथार्थ बन गया। महिला के नेतृत्व में विकास को संकल्पबद्ध वर्तमान केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर नए संसद भवन में न केवल प्रवेश किया, बल्कि महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण के दशकों से लंबित सपने को साकार करके दिखाया। महिला आरक्षण और नारी शक्ति के उत्थान की यात्रा इस बार के अंक की आवरण कथा बनी है।

व्यक्तित्व की कड़ी में भारत के उपराष्ट्रपति रहे और पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित भैरों सिंह शेखावत को उनकी जन्मशती वर्ष के तहत शामिल किया गया है। केंद्र की योजना के रूप में श्रमेव जयते, जी-20 से जुड़े कार्यक्रम, काशी को मिली विकास की सौगातें, रोजगार मेला, वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगातें, मन की बात और पखवाड़े भर में प्रधानमंत्री की ओर से राष्ट्र को समर्पित परियोजनाएं इस अंक में शामिल हैं। साथ ही, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के प्रणेता सरदार पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर को पत्रिका के बैक कवर में शामिल किया गया है।

आप अपना सुझाव हमें भेजते रहें।

मनीष देसाई

(मनीष देसाई)

हिंदी, अंग्रेजी व अन्य 11 भाषाओं में उपलब्ध पत्रिका पढ़ें/डाउनलोड करें।
https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx



आपकी बात...

हर अंक में होता है ज्ञान का भंडार

न्यू इंडिया समाचार पत्रिका का हर अंक कुछ न कुछ नया सीखने जैसा है। हर अंक में भारत सरकार की योजनाओं की जानकारी इसमें मिलती है। देशभक्ति हो या प्रकृति से जुड़ाव का विषय, हर अंक में इसके बारे में कुछ न कुछ होता है। हर अंक में ज्ञान का भंडार होता है। मेरी माताजी को हर अंक का बेसब्री से इंतजार रहता है। डाक से जब भी न्यू इंडिया समाचार की प्रति आती है, सबसे पहले माताजी ही पढ़ती हैं।

लोकेश कुमार जैन
sjknews11@gmail.com

प्रतियोगी परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है पत्रिका

मैं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला एक छात्र हूं। मुझे लगता है कि न्यू इंडिया समाचार पत्रिका बहुत अच्छी है और परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। पत्रिका के सभी पृष्ठों से सभी क्षेत्रों में हो रहे विकास के बारे में व्यापक जानकारी मिलती है।

dvlpatel77@gmail.com

पत्रिका में आलेखों का संकलन उत्कृष्ट है

न्यू इंडिया समाचार पत्रिका में लेखों का संकलन और सामग्री का प्रबंधन उत्कृष्ट है। आलेख बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने वाले हैं। यह पत्रिका मुझे अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद करती है।

शालिनी भटनागर
sbhatnagar1971@gmail.com

परिवार के सभी सदस्य पढ़ते हैं पत्रिका

न्यू इंडिया समाचार पत्रिका नियमित पढ़ने को मिल रही है। इसका हरेक अंक देश के अद्यतन विकास की नवीनतम छवि प्रस्तुत करता है। मैं और मेरे परिवार के सभी सदस्य इसको पढ़ते हैं। यह पत्रिका सभी पाठकों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। विशेषकर युवाओं को उचित मार्गदर्शन मिलता है।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
gsvaish51@gmail.com

योजनाओं के बारे में जागरूक करती है पत्रिका

आपकी पत्रिका न्यू इंडिया समाचार सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा कर रही है।

kaniyaladevanand@gmail.com

गौरवपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ जी-20 शिखर सम्मेलन

मैं न्यू इंडिया समाचार का नियमित पाठक हूं। 1 से 15 सितंबर 2023 का अंक पढ़ने को मिला। इस बार की कवर स्टोरी को आपने बहुत व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया है। इस बार के अंक में स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले से दिए गए भाषण के बारे में व्यापक जानकारी मिली। पीएम मोदी के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन भारत में बहुत ही गौरवपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इससे हमारे देश का नाम और कीर्ति पूरे विश्व में फैली।

shrigopal6@gmail.com

हमें फॉलो करें @NISPIBIndia

पत्राचार और ईमेल के लिए पता: कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना भवन, द्वितीय तल, नई दिल्ली- 110003। ईमेल- response-nis@pib.gov.in

होयसल मंदिर-शांतिनिकेतन यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल

पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन और कर्नाटक के होयसल मंदिर समूह को यूनेस्को ने विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनेस्को के इस फैसले पर कहा, 'भारत के लिए गौरव का पल'। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के दृष्टिकोण और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक शांतिनिकेतन और होयसल मंदिरों की शाश्वत सुंदरता, नक्काशीदार डिजाइन और पूर्वजों के असाधारण शिल्प कौशल के प्रमाण को विश्व विरासत सूची में शामिल करने का निर्णय सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है। अब भारत के पास कुल मिलाकर 42 विश्व धरोहर संपत्तियां हैं, जिनमें 34 सांस्कृतिक, सात प्राकृतिक और एक मिश्रित संपत्ति शामिल है। भारत दुनिया में अब छठा सबसे अधिक विश्व धरोहर वाला स्थल बन गया है। वर्ष 2014 के बाद से भारत में 12 नए विश्व धरोहर स्थल जोड़े गए हैं। यह भारतीय संस्कृति, विरासत और भारतीय जीवन शैली को बढ़ावा देने वाले प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।





देश भर के स्कूल और कॉलेजों में मानक क्लबों का निर्माण

भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा देश भर के स्कूल और कॉलेजों में 6,467 मानक क्लब स्थापित किए जा चुके हैं। जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानकों के महत्व से युवा सदस्यों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से मानक क्लबों की स्थापना की जा रही है। बीआईएस द्वारा वर्ष 2021 में शुरू की गई मानक क्लब की पहल ने एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा है। 5,562 मानक क्लब स्कूलों में जबकि 905 क्लब कॉलेजों में बनाए गए हैं। इसमें से 384 क्लब इंजीनियरिंग कॉलेजों में बनाए गए हैं। मानक क्लब के द्वारा छात्रों के लिए मानक लेखन प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद, निबंध लेखन और पोस्टर बनाना, प्रयोगशालाओं और औद्योगिक इकाइयों का एक्सपोजर दौरा कराया जाता है। बीआईएस द्वारा मानक कक्षा के लिए एक लाख रुपये और प्रयोगशाला के लिए 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। इस पहल के तहत स्कूल में एक कमरे में स्मार्ट टीवी, ऑडियो वीडियो सिस्टम, बेहतर रौशनी, दीवारों को सजाने आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जाती हैं।

किसानों के लिए ऋण और मौसम सुरक्षा का त्रिस्तरीय अभियान

भारतीय कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के लिए त्रिस्तरीय पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संयुक्त रूप से केसीसी घर-घर अभियान, किसान ऋण पोर्टल और विंड्स मैनुअल का अनावरण किया। इन तीनों महत्वपूर्ण कदमों का उद्देश्य प्रत्येक किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। केसीसी घर-घर अभियान एक अक्टूबर से 31 दिसंबर 2023 तक चलेगा। केसीसी घर-घर अभियान क तहत 1.5 करोड़ लाभार्थियों को जोड़ने के अलावा विंड्स मैनुअल से मौसम की जानकारी सुनिश्चित कराना है ताकि सही समय पर किसान अपनी फसलों के लिए सावधानी बरत सकें। कृषि ऋण पोर्टल किसान डेटा, ऋण वितरण की विशिष्टताओं, ब्याज अनुदान के दावों और योजना उपयोग की प्रगति की जानकारी देता है। 29,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रीमियम राशि के मुकाबले अभी तक 1,40,000 करोड़ रुपये से अधिक की बीमा राशि किसानों को वितरित की जा चुकी है।



बायोगैस और सीबीजी संयंत्रों के पंजीकरण के लिए पोर्टल शुरू

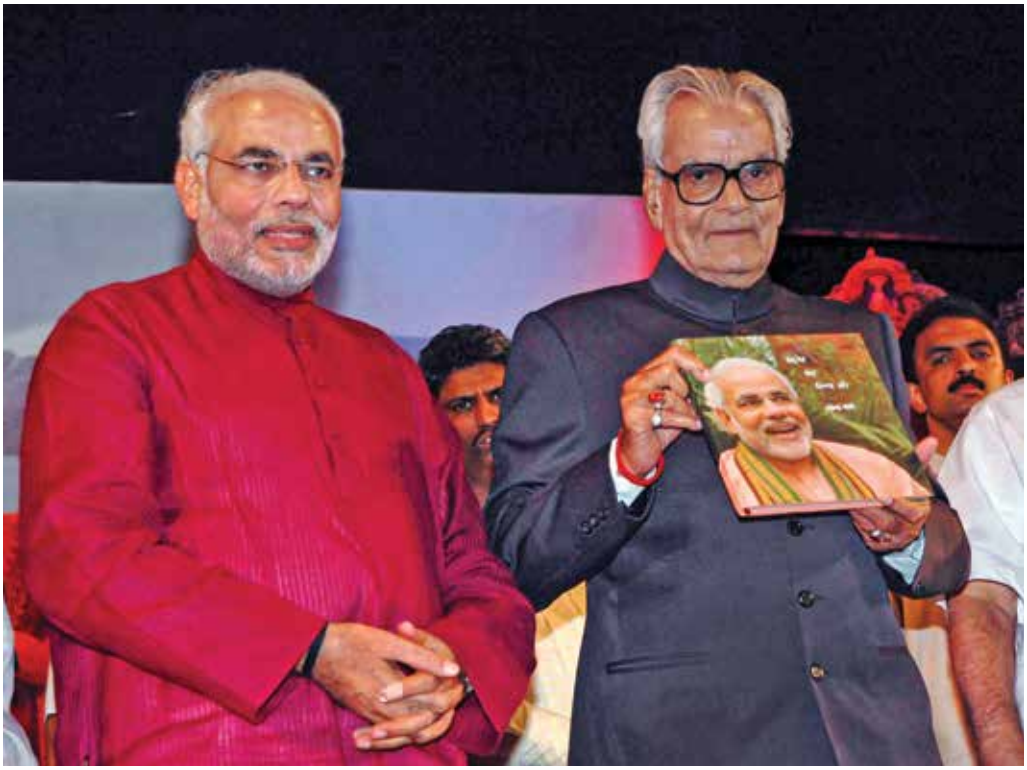
जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने पूरे देश में संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) और बायो गैस संयंत्रों के पंजीकरण को सुव्यवस्थित करने के लिए gobardhan.co.in पंजीकरण पोर्टल की शुरुआत की है। गोबरधन के लिए अब तक 1,163 से अधिक बायोगैस और 426 सीबीजी संयंत्रों को सफलतापूर्वक पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। पंजीकृत सीबीजी और बायोगैस संयंत्र रसायन और उर्वरक मंत्रालय की बाजार विकास सहायता योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होते हैं। गोबरधन पहल के तहत बायोगैस और सीबीजी संयंत्रों में उत्पादित तीन तरह की कार्बनिक खाद की बिक्री के लिए 1,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की सहायता देने की व्यवस्था की गई है। योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26 तक के लिए 1,451.82 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया गया है। गोबरधन संयंत्रों से उत्पन्न जैविक उर्वरकों के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने के साथ पूरे देश में जैविक कृषि की पहलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर जैविक खाद का उपयोग करना है जिससे रासायनिक उर्वरकों और यूरिया पर से निर्भरता को कम किया जा सके।

अरुणाचल प्रदेश और पूरे पूर्वोत्तर में हवाई कनेक्टिविटी होगी मजबूत



अरुणाचल प्रदेश के तेजू शहर स्थित तेजू घरेलू हवाई अड्डे को 170 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। बुनियादी ढांचे में रनवे का विस्तार, एक नया एप्रन, एक नया टर्मिनल भवन, एक फायर स्टेशन और एटीसी टॉवर का निर्माण किया गया है। एकल रनवे के माध्यम से संचालित होने वाले इस हवाई अड्डे को 212 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है और दो एटीआर 72 प्रकार के विमानों के संचालन संबंधी दायित्वों को निभाने में सक्षम है। तेजू हवाई अड्डे को शुरू करने के लिए विकास एवं उन्नयन का कार्य किया गया है।

नए बुनियादी ढांचे का हाल ही में उद्घाटन करते हुए केंद्रीय नागर विमानन तथा इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास को विशेष गति दी गई है। 'उड़ान 5.0' योजना के तहत ईटानगर से तीन सीधे हवाई मार्गों-ईटानगर से दिल्ली, ईटानगर से जोरहाट और ईटानगर से रूपसी की उड़ान जल्द शुरू की जाएगी। वर्ष 2014 से पहले अरुणाचल प्रदेश में कोई भी हवाई अड्डा नहीं था जबकि पिछले नौ वर्षों में यहां चार नए हवाई अड्डे विकसित हुए और शुरू किए गए हैं। तेजू में निर्मित नए टर्मिनल भवन से इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। साथ ही इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी रफ्तार मिलेगी। ●



भैरों सिंह शेखावत
गरीबों की बेहतरी और विकास को समर्पित रहा जिनका जीवन

जन्म : 23 अक्टूबर 1923, मृत्यु : 15 मई 2010

राजनीति को समाज सेवा का माध्यम बनाने वाले पूर्व उप राष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत ने कई उल्लेखनीय कार्य किए जो इतिहास में दर्ज हुए। उनका राजनीतिक कार्यकाल गरीबों की बेहतरी और विकास को समर्पित रहा। राजस्थान एवं देश के विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। 'अंत्योदय अन्न योजना' के माध्यम से उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए भोजन का प्रबंधन किया। गरीबों को उनके अधिकारों का लाभ पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह सदैव तत्परता से करते रहे कार्य...

राजस्थान के सीकर जिले के खाचरियावास गांव में एक साधारण किसान परिवार में भैरों सिंह शेखावत का जन्म 23 अक्तूबर 1923 को हुआ था। इनके पिता का नाम देवीसिंह और माता बने कंवर थीं। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल से प्राप्त की जबकि हाईस्कूल की शिक्षा गांव से 30 किलोमीटर दूर स्थित जोबनेर से प्राप्त की। बाद में उन्होंने जयपुर के महाराजा कॉलेज में दाखिला लिया लेकिन पिता के निधन के कारण उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी। उन्होंने पुलिस की नौकरी की

और रामगढ़ शेखावटी में थानेदार बन गए। हालांकि उन्हें यह नौकरी रास नहीं आई और वह नौकरी छोड़ कर कृषि कार्य में जुट गए। आजादी के बाद वह राजनीति के मैदान में आ गए और वर्ष 1952 में राजस्थान विधानसभा के सदस्य बने। प्रदेश के लोग उन्हें प्यार से बाबोसा कहते थे।

वह गरीब और गरीबी की वेदना को समझते थे यही नहीं गरीबी के विरुद्ध अभियान में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते थे। वे गरीब जनता को लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ मानते थे। उनके विचार में गरीब की आशा और अपेक्षाओं को प्रतिबिंबित करना ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की सफलता की कसौटी था। उनका मानना था कि विकास प्रक्रिया पर पहला अधिकार गरीब जनता का होना चाहिए। इसी के तहत 1952 में ही उन्होंने जागीरदारी उन्मूलन विधेयक का समर्थन किया। उन्होंने 'प्रौढ़ और महिला शिक्षा कार्यक्रम', 'काम के बदले अनाज' योजना 'हैरिटेज होटल', किसानों की ऋण माफी जैसे कार्यों से ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने का काम किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा शुरू की गई 'अंत्योदय योजना' कार्यक्रम ने बड़ी संख्या में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही जनता का उद्धार किया। यह योजना केंद्र और अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाई गई। इस योजना के लिए विश्व बैंक के तत्कालीन अध्यक्ष राबर्ट मैकनामारा ने भैरों सिंह शेखावत को Rockefeller of India की उपाधि दी थी। राजस्थान की राजनीति में उनका जबरदस्त प्रभाव था और वे राजस्थान के राजनीतिक क्षितिज पर काफी लंबे समय तक छाए रहे। वह 3 बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश की राजनीति में अपने विराट व्यक्तित्व की अमिट छाप छोड़ी। कहा जाता है कि उन्होंने सती प्रथा के विरोध में भी आवाज बुलंद की थी और उनके सभी राजनीतिक दलों में मित्र थे।

वह गरीब और गरीबी की वेदना को समझते थे यही नहीं गरीबी के विरुद्ध अभियान में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते थे। वे गरीब जनता को लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ मानते थे।



भैरों सिंह शेखावत भारत के ग्यारहवें उप राष्ट्रपति बने। वह वर्ष 2002 से 2007 तक इस पद पर रहे। भारत के उप राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने भारतीय संसद की उच्च परंपराओं का निर्वहन और उन्हें समृद्ध भी किया। राज्यसभा में उन्होंने सभापति के रूप में प्रश्नकाल को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया। 2003 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 15 मई 2010 को भैरों सिंह शेखावत का निधन हो गया। उनके आदर्श हमारे देश के सभी जनप्रतिनिधियों के लिए अनुकरणीय हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी भैरों सिंह शेखावत का संबंध शानदार रहा था। उनके आत्मीय रिश्ते के बारे में एक बार खुद प्रधानमंत्री मोदी ने एक किस्सा साझा किया था जो काफी रोचक है। एक बार पीएम मोदी और भैरों सिंह शेखावत दौरे पर जा रहे थे और दिल्ली हवाई अड्डे पर थे। तभी भैरों सिंह, नरेंद्र मोदी को पकड़ कर साइड में ले गए और अपनी जेब में जो कुछ भी था उनकी जेब में डाल दिया। यह सब इतनी जल्दी-जल्दी हो रहा था कि पीएम मोदी को यह समझ में नहीं आया कि यह सब मेरी जेब में क्यों डाल रहे हैं? दरअसल भैरों सिंह जी को तंबाकू खाने की आदत थी और उस वक्त वहां जो एक अन्य राजनेता आ रहे थे वह इसके बड़े विरोधी थे। वह भैरो सिंह से जब मिलते थे तो वो सब छीन लेते थे और कूड़े-कचरे में फेंक देते थे। अब इससे बचने के लिए भैरो सिंह ने अपना सामान अब के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जेब में डाल दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मई 2023 को कहा था कि हम सभी श्रद्धेय, स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत जी का जन्मशती वर्ष मना रहे हैं। कुछ दिन पहले 15 मई को ही उनकी पुण्यतिथि भी थी। मैं भैरों सिंह शेखावत जी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ●

महिला आरक्षण बना संकल्प से सिद्धि का एक और उदाहरण





नई संसद ने रच दिया नया इतिहास

केवल नारी उत्थान नहीं, नारी के नेतृत्व में विकास की दृष्टि बीते चंद वर्षों में राष्ट्र की नीति बनी है। इसी नीति को अब वैश्विक एजेंडा बनाने के साथ ही भारत का नए संसद भवन में प्रवेश, भारत की नारी शक्ति के लिए विशेष अवसर बना। दशकों से लंबित विधायिका में महिला आरक्षण के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प ने यथार्थ में बदला तो आम सहमति के नाम पर लटकने वाला बिल संसद के विशेष सत्र में केंद्र सरकार के साहसिक निर्णय, दृढ़ निश्चय और ईमानदार पहल से सहजता से कानून बन गया। अब लोकसभा-विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का मार्ग हुआ प्रशस्त...

"बसुंधरा-तले भारत-रमणी नुहे हीन नुहे दीन
अमर कीरति कोटि युगे केभें जगतुं नोहिब लीन।"

अर्थात्, भारत की नारी पृथ्वी पर किसी की तुलना में न तो हीन है, न दीन है। संपूर्ण जगत में उसकी अमर कीर्ति युगों-युगों तक कभी लुप्त नहीं होगी यानी सदैव बनी रहेगी। भारतीय साहित्य की अमर विभूति, स्वाधीनता सेनानी तथा ओडिया भाषा की सुप्रसिद्ध नारी कवि 'उत्कल भारती' कुंतला कुमारी साबत का लगभग 100 वर्ष पहले किया गया यह उद्घोष नए भारत की नीतियों को दिशा दे रहा है।



नए भारत की नई संसद में 20-21 सितंबर, नारी शक्ति के लिए ऐतिहासिक बन गया है। कभी राजनीति और सत्ता को सर्वोपरि मानकर जिस बिल को दशकों तक लटकाया गया या यूं कहें कि केवल बातें हुईं, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यथार्थ बना दिया। इसके लिए उन्होंने अवसर भी विशेष बना दिया और संसद के नए भवन में प्रवेश के लिए विशेष प्रयोजन के साथ विशेष सत्र बुलाया। अब जब भी नए संसद भवन की पहली शुरुआत की बात होगी, हर भारतवासी और विशेष रूप से नारी शक्ति का माथा गौरव से ऊंचा होगा।

दरअसल, नई संसद में राष्ट्र ने एक ऐसा इतिहास बनते देखा है, जिसकी कल्पना तो थी लेकिन यथार्थ में बदलने की उम्मीद नहीं दिख रही थी। नई संसद ने नया इतिहास रचा और यह अवसर नारी शक्ति के वंदन का अप्रतिम उदाहरण बन गया। आने वाली अनेकों पीढ़ियों तक इस निर्णय और दिवस की चर्चा होगी। संसद के दोनों सदनों द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद 29 सितंबर को कानून बन चुका है। जिस बात का देश को पिछले कई दशकों से इंतजार था, वो सपना अब सच हुआ है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण अब सिद्धि बन गई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई सामान्य कानून नहीं है। यह नए भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। यह अमृतकाल में 'सबका प्रयास' से विकसित भारत के निर्माण

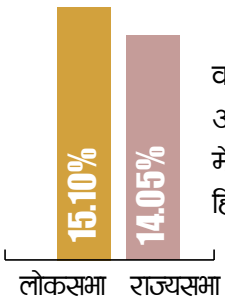


नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में रखे गए प्रावधान

(संविधान का 128वां संशोधन अधिनियम, 2023)

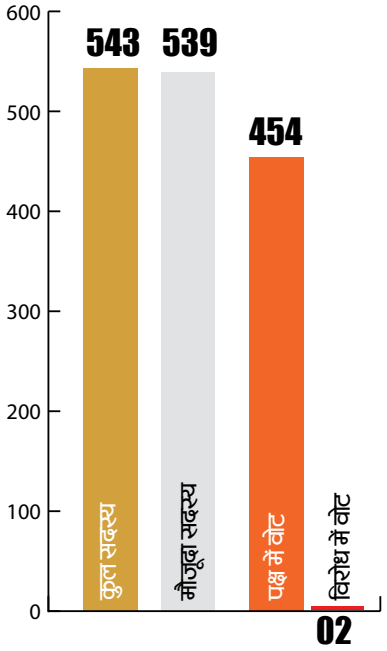
- इस बिल के माध्यम से आर्टिकल 339एए, 330ए, 332ए और 334ए में संशोधन किए गए।
- 339एए के माध्यम से 33 फीसदी सीटें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।
- 330ए के माध्यम से लोकसभा में प्रत्यक्ष निर्वाचन से भरी जाने वाली एक तिहाई सीटें (एससी और एसटी से संबंधित महिलाओं के लिए आरक्षित सीट सहित) महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।
- 332ए के माध्यम से प्रत्येक राज्य की विधानसभा में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित होंगे। अनुच्छेद के खंड-3 में एससी और एसटी सहित एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी।
- 334ए में नया प्रावधान जोड़ा गया है जिसके तहत महिला आरक्षण की अवधि 15 साल के लिए होगी। भविष्य में जरूरत महसूस होने पर संसद को आरक्षण की अवधि बढ़ाने का अधिकार होगा।
- लोकसभा में अभी सीटों की संख्या 543 है। जैसे ही कानून लागू होगा, महिला सदस्यों की संख्या 181 हो जाएगी जो वर्तमान में 82 है।

इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन के अनुसार वैश्विक नेशनल लेजिस्लेटिव बॉडी में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व 24% है। जबकि भारत की लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व करीब 15% है। महिला आरक्षण कानून लागू होने पर हम ग्लोबल एवरेज से ऊपर उठकर 33% महिला भागीदारी सुनिश्चित करेंगे तो हमारी रैंक भी बढ़ेगी।

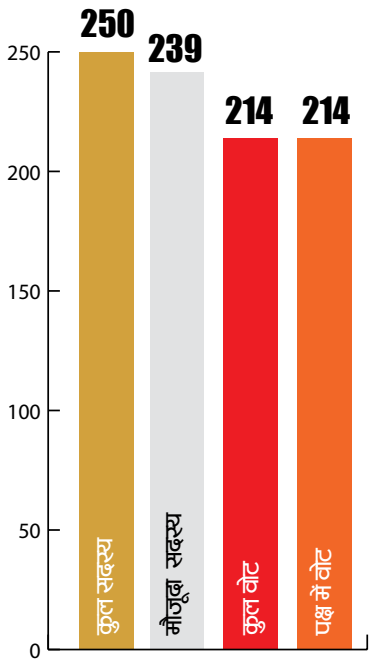


वर्तमान लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी

लोकसभा में वोटिंग



राज्यसभा में वोटिंग



की तरफ बहुत बड़ा और बहुत मजबूत कदम है। महिलाओं का जीवन स्तर सुधारने के लिए, क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहतर करने के लिए, नारी के नेतृत्व में विकास का नया युग देश में लाने की जो गारंटी है, यह प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

लगभग तीन दशक से इस बिल को पारित कराने के लिए प्रयास हो रहा था। महिला आरक्षण सुनिश्चित कराने वाले इस कानून की राह में तरह-तरह की बाधाएं थीं, दशकों पुराने अड़ंगे थे। लेकिन, जब नीयत पवित्र होती है, प्रयासों में पारदर्शिता होती है, तो परेशानियों को पार करके भी परिणाम लाती है। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है कि इस कानून को सदन में इतना व्यापक समर्थन मिला। नए संसद भवन में पक्ष-विपक्ष की सीमाओं से ऊपर उठकर करीब-करीब सबने इसके पक्ष में वोट किया। अमृत काल की ओर बढ़ते भारत में नारी शक्ति, नीति, निष्ठा, निर्णय शक्ति और नेतृत्व का प्रतिबिंब बनी है क्योंकि वेदों और भारतीय परंपरा ने भी यही आह्वान किया है कि नारियां सक्षम हों, समर्थ हों और राष्ट्र को दिशा दें। अपने इसी दृष्टिकोण के साथ भारत ने जी-20 की अध्यक्षता करते हुए नारी शक्ति के नेतृत्व को अपनी प्राथमिकता में रख विश्व समाज को एक नई दिशा दी तो अब नए संसद भवन में महिला आरक्षण बिल के रूप में पहला काम करके इतिहास रच दिया है।

महिला आरक्षण अब यथार्थ

बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने कहा था- "महिलाएं अगर किसी देश में प्रगति कर रही हैं तो मैं समझता हूं कि वह समाज, वह राष्ट्र प्रगति कर रहा है।" इस सोच को साकार करते हुए केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, लोकसभा, विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।

एससी-एसटी के लिए सीटों में आरक्षण पहले से ही है, उसमें ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित होगा। इसकी अवधि 15 साल होगी और बाद में इसे संसद जरूरत समझे तो बढ़ा सकती है। लोकसभा की 543 सीटों में से महिला सांसदों की संख्या वर्तमान में 82 है, वह बढ़कर 181 हो जाएगी। यह बिल सबसे पहले 1996 में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के कार्यकाल में 11वीं लोकसभा में आया था। उसके बाद दिसंबर 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार 12वीं लोकसभा में बिल लेकर आई। उसके बाद मनमोहन सिंह सरकार के समय लोकसभा में नहीं, बल्कि मई 2008 में राज्यसभा में आया। तब उसे संसद की स्थायी समिति में भेजा गया और उसकी रिपोर्ट के बाद 9 मार्च 2010 को



महिला आरक्षण को लेकर संसद में पहले भी कुछ प्रयास हुए हैं। 1996 में इससे जुड़ा बिल पहली बार पेश हुआ था। अटल जी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण का बिल पेश किया गया। लेकिन उसे पास कराने के लिए आंकड़े नहीं जुटा पाए। उसके कारण वो सपना अधूरा रह गया। महिलाओं को अधिकार देने का, महिलाओं की शक्ति का उपयोग करने का वो काम, शायद ईश्वर ने ऐसे कई पवित्र काम के लिए मुझे चुना है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



राज्यसभा में इसे पारित कर लोकसभा को भेजा गया। लेकिन 15वीं लोकसभा के भंग होने के साथ ही यह बिल भी खत्म हो गया था। अब 17वीं लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने नए स्वरूप में नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक पेश किया, जिसे लगभग सर्वसम्मति से संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया। इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन के आंकड़ों के मुताबिक विश्व भर की नेशनल लेजिस्लेटिव बॉडीज में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व 24 प्रतिशत है। जबकि अभी भारत की लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 15.1 प्रतिशत है, जो हाल ही के वर्षों में बढ़ा है। अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने से महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होगी।

मातृशक्ति का सम्मान

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के विकास में नारी शक्ति की भूमिका को निर्धारित करेगा। वर्ष 2047 तक के अमृत काल में विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर सिद्ध होगा। महिला सशक्तीकरण को नई दिशा देने वाला होगा। नए भारत के निर्माण में ऐतिहासिक महिला नेतृत्व को पहचान दिलाने वाला होगा, संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा देने वाला सिद्ध होगा। यह 140 करोड़

तीन दशक तक लटका बिल
तीन दिन में पारित

- पहली बार महिला आरक्षण विधेयक 11वीं लोकसभा में प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के समय 12 सितंबर, 1996 में आया था।
- दूसरी बार 12वीं लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय 14 दिसंबर, 1998 को महिला आरक्षण विधेयक लाया गया।
- तीसरी बार फिर 13वीं लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय दिसंबर, 1999 में आया।
- चौथी बार मई, 2008 में लोकसभा की बजाय राज्यसभा में विधेयक लाया गया जिसे स्थायी समिति में भेजा गया। रिपोर्ट आने के बाद 9 मार्च, 2010 को राज्यसभा ने इसे पारित किया।
- राज्यसभा ने पास करके लोकसभा को भेजा लेकिन 15वीं लोकसभा 18 मई, 2014 को जैसे ही भंग हुई, विधेयक लैप्स हो गया।
- वर्तमान सरकार में 18 सितंबर, 2023 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को मंजूरी दी।
- 19 सितंबर, 2023 को नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 (128वां संवैधानिक संशोधन विधेयक) लोकसभा में विशेष सत्र बुलाकर पेश किया गया।
- 20 सितंबर, 2023 को विधेयक को लोकसभा ने पारित किया।
- 21 सितंबर, 2023 को नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 राज्यसभा में पेश, देर रात तक चर्चा के बाद पारित हुआ।
- संसद के दोनों सदन में विधेयक पर चर्चा में 162 सदस्यों ने भाग लिया।

भारत की जी-20 अध्यक्षता में महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व की दिशा में तेजी से बढ़ना है, उस कड़ी में यह विधेयक महत्वपूर्ण है।

की आबादी में 50 प्रतिशत भागीदारी रखने वाली मातृ शक्ति का सच्चे अर्थ में सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी के नेतृत्व में विकास की बात समग्र विश्व के सामने रखी। जी-20 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने दुनिया को यह अहसास कराया कि मातृशक्ति, बेटियां न केवल नीतियों में सहभागिता कर सकती हैं, बल्कि नीति-निर्धारण में अपने पद को भी सुरक्षित कर पाने में सक्षम हैं। इसकी वजह है कि वर्तमान केंद्र सरकार के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक संकल्प है। इसका एक उदाहरण यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने वेतन के रूप में मिली सारी राशि को गुजरात सचिवालय के कर्मचारियों की बच्चियों की पढ़ाई के लिए दे दिया था। इतना ही नहीं, उन्हें जितनी भेंट मिली थी उसकी नीलामी से मिलने वाली राशि भी बच्चियों की पढ़ाई के लिए दान दी थी। कल्पना कीजिए कि आप 140 करोड़ देशवासियों के चुने नेता हैं, जिनके सोशल मीडिया पर बड़े प्रशंसक समूह हैं और पीएम मोदी ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट पूरी तरह से 7 महिलाओं को पूरे दिन के लिए सौंप दिया था। कैसी अनुभूति होगी आपको। जी हां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अपना ट्विटर अकाउंट 7 महिलाओं को सौंप दिया था। कथनी और करनी में साम्यता का यह अद्भुत उदाहरण ही दरअसल नए भारत के केंद्र में नारी शक्ति को समान अधिकार और अवसर दे रहा है, जहां महिलाएं भी सुरक्षा और सम्मान के साथ सशक्तीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

इतना ही नहीं, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 2014 के बाद से तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई है। भारत में लगभग 43 प्रतिशत एसटीईएम यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित स्नातक महिलाएं हैं। भारत में लगभग एक-चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं। चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की सफलता के पीछे महिला वैज्ञानिकों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत है। आज भारत में उच्च शिक्षा में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक संख्या में प्रवेश ले रही हैं। नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिला पायलटों के मामले में उच्चतम प्रतिशत वाले देश में शामिल हैं। साथ ही भारतीय वायुसेना में महिला पायलट अब लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। सभी सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को ऑपरेशनल भूमिकाओं और लड़ाकू मोर्चों पर तैनात किया जा रहा है।

योजनाओं से नारी के जीवन में सुगमता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सोच है कि

हम लोग एक बात कभी-कभी बोलते हैं, नारी तू नारायणी। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि हमारे यहां कहा जाता है, नर करणी करे तो नारायण हो जाए। यानी नर को नारायण होने के लिए कुछ करना पड़ेगा। लेकिन नारी के लिए क्या कहा है, नारी तू नारायणी। अब देखिए कितना बड़ा फर्क है। हम बोलते रहते हैं, लेकिन अगर सोचा तो हमारे पूर्वजों ने कितने गहन चिंतन से हम पुरुषों के लिए कहा, नर करणी करे तो नारायण हो जाए। लेकिन माताओं-बहनों के लिए कहा, नारी तू नारायणी।

– नरेंद्र मोदी, **प्रधानमंत्री**

महिला सशक्तीकरण अब केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं है, बल्कि आर्थिक विकास के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसका परिणाम है कि सेना हो या स्टार्टअप, ओलंपिक-पैरालिंपिक हो या शोध, न्यू इंडिया में आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं। संसद में महिलाओं की भागीदारी का बढ़ना हो या ऐतिहासिक रूप से लिंगानुपात में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की संख्या का बढ़ना, ये बदलाव इस बात के संकेत हैं कि अमृत काल का नया भारत कितना सामर्थ्यशाली होगा। गणतंत्र दिवस की परेड में महिला शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन, सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी का शामिल होना, विभिन्न राज्यों, सेनाओं तथा अन्य झांकियां महिला सशक्तीकरण को समर्पित थी। नारी शक्ति का सम्मान नए भारत को दर्शाता है। साथ ही, पद्म पुरस्कारों में समाज के लिए प्रेरणा बनीं गुमनाम महिलाओं को सम्मानित करना, अमृत यात्रा की सुखद अनुभूति कराता है। अमृत काल के पहले आम बजट में महिला सम्मान बचत पत्र की पहल की गई है जिसमें मार्च 2025 तक उनके लिए नई लघु बचत योजना लाई गई है।



नारी तू नारायणी

तुमसे ही सामर्थ्य है, तुम्ही हो राष्ट्रशक्ति।
बिना तुम्हारे हर बात अधूरी लगती।
घर, बिजली, शौचालय, पानी, एलपीजी ने तुझे सशक्त बनाया है।
शिक्षा, स्वास्थ्य है, पोषण-कौशल और हिम्मत ने तुझे आगे बढ़ाया है।
खेल हो या युद्ध का मैदान या फिर बात विज्ञान-तकनीक की।
हर मैदान की है चैंपियन, मौका मिलते ही ये बात है तुमने साबित कर दी।
नहीं किसी से कम तू, हमेशा अग्रणी, अभिमानी, नारी तू नारायणी।।।
स्वतंत्रता, सुविधा, सशक्तीकरण से अब मिल रही तुम्हें आर्थिक आजादी।
देश बनेगा आत्मनिर्भर, होंगे पूरे हर सपने जब साथ चलेगी आधी आबादी।
आधे आसमान की पूरी उड़ान में ही छिपी खुशियों की हर चाभी।
तू बस आगे बढ़के ठान ले तो कदमों पर तेरे है कामयाबी।
स्वतंत्रता, संस्कृति, सम्मान, शक्ति सब तुझसे ही है।
वो आत्मविश्वासी नारी तू नारायणी।।।

मैं देश की माताओं, बहनों, बेटियों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं सभी माताओं, बहनों, बेटियों को आश्वस्त करता हूं कि हम इस बिल को कानून बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज भारत, मां, बहन और बेटियों के सामने आने वाली हर अड़चन को दूर कर रहा है। इसी सोच के साथ बीते 9 वर्षों में माताओं-बहनों से जुड़ी हर बंदिशों को तोड़ने का प्रयास हुआ है। केंद्र सरकार ने एक के बाद एक ऐसी योजनाएं बनाईं हैं, ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिससे महिलाओं को सम्मान, सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि का जीवन मिले। उनके जीवन चक्र से जुड़ी हर समस्या को दूर करने पर पूरी गंभीरता से ध्यान दिया है। केंद्र सरकार द्वारा जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं, उनके केंद्र में महिलाओं का जीवन आसान बनाना, महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देना और महिला सशक्तीकरण रहा है। गर्भावस्था के दौरान शिशु को पौष्टिक खाना मिले इसके लिए मातृ वंदना योजना चलाई, महिलाओं के बैंक खाते में पैसे भेजने शुरू किए। माता मृत्यु को रोकने के लिए, नवजात बच्चों की रक्षा के लिए, शिशु का जन्म अस्पताल में ही कराने का बहुत बड़ा अभियान चलाया गया। बेटी को कोख में ही न समाप्त कर दिया जाए, इसके लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे जनआंदोलन भी शुरू किए। आज वर्षों बाद देश में जनसंख्या के आधार पर महिला-पुरुष के अनुपात में सुधार आया है।

एक समय था जब देश के 70 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके घर में बैंक खाते नहीं थे। लेकिन जनधन योजना के विशेष अभियान के तहत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खुले हैं और इनमें से 70 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम से खोले गए हैं। आज अधिकांश योजनाओं से लाभ की धनराशि सीधे महिलाओं के बैंक खाते में जा रही है। पांच दशक से इस देश के अंदर 11 करोड़ से अधिक ऐसे परिवार थे जिनके घरों में शौचालय नहीं था, महिलाओं के लिए बाहर जाना एक पीड़ा थी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छता मिशन की बात कही और आज देश के अंदर 11 करोड़ 72 लाख शौचालय बनाए जा चुके हैं। इसी तरह, शौचालय न होने की वजह से बेटियां स्कूल न छोड़े, इसके लिए करोड़ों शौचालय बनाए। उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए और उन सभी परिवारों की महिलाओं को धुआं मुक्त जीवन मिला। पानी के लिए महिलाओं को परेशान नहीं होना पड़े, इसलिए नल-जल जैसी भागीरथी योजना से महज 4 साल में पानी का कनेक्शन 3 करोड़ से बढ़कर 13 करोड़ घरों में पहुंच चुका है। महिलाओं को अंधेरे में न रहना पड़े, इसके लिए सौभाग्य योजना से मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया। महिलाएं पैसे की कमी की वजह से अपनी बीमारी छिपाए नहीं, इसलिए 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के मुताबिक पुरुषों के समान महिलाओं की कार्यबल में हिस्सेदारी से भारत की जीडीपी में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। यदि 50 प्रतिशत कुशल महिलाएं कार्यबल में शामिल होती हैं, तो विकास दर 1.5 प्रतिशत बढ़कर 9 प्रतिशत प्रति वर्ष हो सकता है।

भारत का प्रधानमंत्री एक भिक्षुक बनकर आपसे बेटियों की जिंदगी की भीख मांग रहा है। बेटियों को अपने परिवार का गर्व मानें, राष्ट्र का सम्मान मानें। आप देखिए इस असंतुलन से हम बहुत तेजी से बाहर आ सकते हैं। बेटा और बेटी दोनों वो पंख हैं जिसके बिना जीवन की ऊंचाईयों को पाने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए ऊंची उड़ान भरनी है तो सपनों को बेटे और बेटी दोनों पंख चाहिए तभी तो सपने पूरे होंगे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील।



आयुष्मान भारत योजना के तहत दी जा रही है। महिलाओं का घर की संपत्ति पर भी अधिकार हो, इसके लिए पीएम आवास के घरों में उन्हें संयुक्त भागीदारी दी। महिलाएं स्वरोजगार कर सकें, इसके लिए बिना गारंटी मांगे लोन देने वाली मुद्रा योजना शुरू की गई। भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास हमारे लिए एक प्रमुख प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को स्वीकृत किए गए हैं। इसी तरह, स्टैंड-अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण प्राप्त कर रही हैं। मातृत्व अवकाश में वृद्धि कर अब 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश किया गया। बेटियों के लिए सैनिक स्कूल के द्वार खोल दिए। सेना में अफसर बनने के लिए तीनों सेनाओं में नए रास्ते बना दिए गए। 9 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोड़ आजीविका के नए अवसर दिए गए। अब 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को ड्रोन देने की योजना का भी एलान किया गया है।

देश के अंदर बालिकाओं के जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना में 3 करोड़ 18 लाख खाते खोले जा चुके हैं। आज दुनिया भर के देशों में विमान उड़ाने वाली

लोकतंत्र में राजनीति, नीति और शक्ति का इस्तेमाल, ये समाज में प्रभावी बदलाव का एक बहुत बड़ा माध्यम होता है। और इसलिए स्पेस हो या स्पोर्ट्स हों, स्टार्टअप हो या सेल्फ हेल्फ ग्रुप, हर क्षेत्र में दुनिया भारतीय महिलाओं की ताकत देख रही है। जी-20 की अध्यक्षता में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की चर्चा, आज दुनिया इसका स्वागत कर रही है, स्वीकार कर रही है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

महिला पायलटों की संख्या 5 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह संख्या 15 प्रतिशत है जो पिछले 10 साल में बढ़ी है। सामाजिक स्तर पर भी तीन तलाक जैसी जिन कुरीतियों के कारण महिलाओं पर अत्याचार होते थे, कानून बनाकर उन्हें रोका है। करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को आज तीन तलाक की अमानवीय कुप्रथा से सुरक्षा मिली है। इस कानून के लागू होने से कुछ ही वर्षों में तीन तलाक के मामले में 80-82 प्रतिशत की कमी आई है। समाज व्यवस्था में जो कमी है, उसे सुधारने के लिए ही केंद्र सरकार महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ाना चाहती है और इसलिए महिला आरक्षण का बिल लेकर आई।

सामाजिक न्याय और सुरक्षित वातावरण

जब महिलाएं सुरक्षित और समृद्ध होती हैं, तो दुनिया भी समृद्ध होती है। उनका आर्थिक सशक्तीकरण विकास को बल देता है। शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को प्रेरित करती है। उनका नेतृत्व समावेशिता को बढ़ावा देता है और उनके विचार सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करते हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-नेतृत्व वाला विकास दृष्टिकोण है। भारत ने इस दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने आप में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। वह एक साधारण जनजातीय पृष्ठभूमि से आती हैं। लेकिन अब वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रक्षा बल की कमांडर-इन-चीफ के रूप में योगदान दे रही हैं। लोकतंत्र की इस जननी में 'मतदान का अधिकार' भारतीय संविधान द्वारा प्रारंभ से ही महिलाओं सहित सभी नागरिकों को समान रूप से प्रदान किया गया था। चुनाव लड़ने का अधिकार भी सभी को समान आधार पर दिया गया।

महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और विकास में समान रूप से सहभागी बनाने के उद्देश्य से ही राष्ट्रीय स्तर पर महिला सुरक्षा से जुड़े अनेकों प्रयास किए गए हैं। आज देश की प्राथमिकता, महिलाओं का जीवन बेहतर बनाने और भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की संपूर्ण भागीदारी में है। बेटे-बेटी को एक समान मानते हुए बेटियों के विवाह की आयु को भी 21 वर्ष करने पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। आज देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर कड़े कानून हैं, बलात्कार जैसे जघन्य मामलों में फांसी का भी प्रावधान किया गया है। देशभर में बड़ी संख्या में फास्टट्रैक कोर्ट बनाई जा रही हैं और कानूनों का सख्ती से अनुपालन

महिलाओं के जीवन की सुगमता के लिए किए गए काम



स्वच्छ भारत मिशन

11.72

करोड़ शौचालय बनाए गए।

पीएम आवास योजना



69% से अधिक घर अकेले या संयुक्त रूप से महिलाओं के नाम।



पीएम अन्न योजना

80

करोड़ लोगों को प्रति माह पांच किलो निःशुल्क अनाज दिया।

जल जीवन मिशन

13

करोड़ घरों में मिलने लगा नल से जल।



ताकि सक्षम रहे महिला शक्ति

- कोविड काल में महिलाओं को विशेष सहायता दी गई।
- अप्रैल-जून 2020 के दौरान 20 करोड़ महिलाओं के खाते में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।
- पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत 14 करोड़ रिफिल सिलेंडर मुफ्त दिए गए।



- भारत में करीब 1.2 करोड़ स्वयं सहायता समूह हैं जिनमें 88 फीसदी पूर्णतः महिला स्वयं सहायता समूह हैं। इनमें 9 करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए गारंटी मुक्त ऋण देने की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये तक की गई।
- देश में 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को उज्ज्वला के तहत रसोई गैस के कनेक्शन दिए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पारंपरिक ईंधन-लकड़ी, कोयला आदि से खाना पकाने से भारत में सालाना 5 लाख मौतें होती थी। लेकिन केंद्र सरकार के इस प्रयास से महिलाओं में सांस संबंधी बीमारी के मामलों में 20 फीसदी की कमी आई है।



संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के साथ, हम भारत की महिलाओं के लिए मजबूत प्रतिनिधित्व और सशक्तीकरण के युग की शुरुआत करते हैं। यह महज एक कानून नहीं है; यह उन अनगिनत महिलाओं का सम्मान है जिन्होंने देश को आगे बढ़ाया है। भारत को सुदृढ़ और समृद्ध बनाने में अपना योगदान दिया है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कराने के लिए भी व्यवस्थाओं को सुधारा जा रहा है। थानों में महिला सहायता डेस्क की संख्या बढ़ाना हो, चौबीस घंटे उपलब्ध रहने वाली हेल्पलाइन हो, साइबर क्राइम से निपटने के लिए पोर्टल हो, ऐसे अनेक प्रयास महिलाओं की सुरक्षा के कवच बन रहे हैं। मौजूदा केंद्र सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति से काम कर रही है।

सिर्फ कानूनी संरक्षण ही नहीं, महिलाओं के आत्मसम्मान के लिए भी केंद्र सरकार ने अभियान चला रखा है। केंद्र सरकार की अधिकांश योजनाओं के जरिए परिवार की महिलाओं को ही केंद्र में रखकर दस्तावेज दिए जाते हैं। इतना ही नहीं, पहले जम्मू-कश्मीर में गैर कश्मीरी से विवाह करने पर महिलाओं और उसके बच्चों को पैतृक संपत्ति के हक से वंचित कर दिया जाता था। लेकिन अनुच्छेद-370 और 35ए को निरस्त किए जाने के बाद इस क्षेत्र की महिलाओं को उसका हक मिला है। प्रवासी भारतीयों द्वारा शादी करने और फिर छोड़ देने जैसे मामलों में भी कानून को सख्त बनाया गया है।

भारत की महिलाएं आज स्वतंत्र है, आर्थिक रूप से सशक्त है, दृढ़ संकल्प से लैस है, सुरक्षा का भाव है और सिर्फ सपने देख नहीं रहीं, बल्कि उसे साकार भी कर रही हैं तो उसकी बड़ी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली दृढ़ निश्चयी सरकार के प्रयास हैं। जिसकी वजह से दशकों से चली आ रही लड़की या महिला को

आज जब महिलाएं हर सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, नेतृत्व कर रही हैं, तो बहुत आवश्यक है कि नीति-निर्धारण में, पॉलिसी मेकिंग में हमारी माताएं, बहनें, हमारी नारी शक्ति ज्यादा से ज्यादा योगदान दें। योगदान ही नहीं, वे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कमतर मानने की सोच में क्रांतिकारी बदलाव आया है।

असंभव को संभव कराती स्थिरता

महिला आरक्षण के लिए तीन दशकों से कोशिश और बातें हो रही थी, लेकिन अब यह संभव हुआ है। इससे पहले चार बार यह बिल संसद में लाया गया लेकिन कभी पारित नहीं हुआ। इसे आम सहमति के नाम पर लटकाया गया। ऐसे में प्रश्न स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ही प्रयास में कैसे आम सहमति से इस बिल को पारित करा लिया। आखिर पहले ऐसा क्यों नहीं हुआ? इसकी एकमात्र वजह है- स्थिरता। केंद्र में आज पूर्ण बहुमत वाली मजबूत सरकार है, जिसकी पहचान है- साहसिक निर्णय लेना और उसे लागू करवाना। दोनों सदनों में इसका पास होना इस बात का साक्षी है कि पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है, तो देश कैसे बड़े फैसले लेता है, कैसे पड़ावों को पार करता है। यही कारण है कि महिला आरक्षण बिल- नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक सच्चाई बन गया है। इस कानून ने फिर साबित किया है कि देश को आगे ले जाने के लिए, पूर्ण बहुमत वाली सरकार, मजबूत सरकार, निर्णायक सरकार एक आवश्यकता है। कभी बिल फाड़ दिया जाता था, लेकिन आज सभी ने समर्थन किया तो उसकी वजह है पिछले 10 वर्षों में महिला एक शक्ति बनकर उभरी हैं।

केंद्र में नारी: महिला केंद्रित

- **जनधन:** 50 करोड़ से अधिक लोग औपचारिक बैंकिंग में लाए गए। 56% से अधिक जनधन खाते महिलाओं के हैं। खातों में 2.03 लाख करोड़ रु. से अधिक जमा हैं।

- **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ:** योजना के बाद 15% की बढ़ोतरी हुई है 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र की शिक्षा प्राप्त लड़कियों की संख्या में। करीब 95% संस्थागत प्रसव हुए।

- **दूरस्थ शिक्षा:** 100 पुरुषों के मुकाबले पीएचडी में 130, एमफिल में 109, स्नातकोत्तर में 122, डिप्लोमा में 104 और इंटीग्रेटेड में 376 शिक्षित बेटियां, शिक्षित राष्ट्र का प्रतीक।



- **सुकन्या समृद्धि योजना:** 80,509 करोड़ रु. से अधिक की राशि 2.26 करोड़ सुकन्या खाते में अक्टूबर 2021 तक जमा हैं। 3.18 करोड़ सुकन्या खाते खोले गए।

19,500 से अधिक गांवों को 'संपूर्ण सुकन्या ग्राम' घोषित किया गया।

- **मातृ वंदना योजना:** गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 3.48 करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचा।

- **मुद्रा योजना:** 68% ऋण महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को दिए गए।



- **ड्रॉपआउट में कमी, नामांकन में वृद्धि:** 33% की वृद्धि सकल नामांकन अनुपात में। 9-10 वर्षों में हाईस्कूल और उसके बाद की पढ़ाई में लड़कियों की संख्या तिगुनी हो गई है।

योजनाओं की अपार सफलता



- **आर्थिक फैसलों में भागीदारी:** 80 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के पास बैंक खाते हैं।

89% महिलाएं घर के बड़े फैसलों में भागीदारी करती हैं।

- **इनोवेशन-रिसर्च:** 16 महिला टेक्नोलॉजी पार्क इनोवेशन में महिलाओं को नए अवसर दे रहा है। किरण स्कॉलरशिप से महिला वैज्ञानिकों की आर्थिक बाधाएं दूर हो रहीं।



- **लिंगानुपात:** 1,020 हुई प्रति एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या। कुल लिंगानुपात में 2015-16 के 991 के मुकाबले 29 प्वाइंट की वृद्धि।

- **प्रधानमंत्री आवास योजना:** करीब 3.5 करोड़ घर बनाए गए या सहायता दी गई उनमें 69% से अधिक घर अकेले या संयुक्त रूप से महिलाओं के मालिकाना हक में हैं।



- **शादी की उम्र:** महिलाओं की शादी की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने के लिए बाल विवाह निषेध (संशोधन) अधिनियम, 2021 लोकसभा में पेश किया गया।

- **पोषण:** अभियान के 10.09 करोड़ लाभार्थी। पूरक पोषण की वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित करने के लिए पोषण ट्रैकर लॉन्च किया गया। 100% परिष्कृत चावल वितरण की हो चुकी है शुरुआत।





2015 से लेकर अब तक 204 महिलाओं को उनके अभूतपूर्व कार्यों के लिए पद्म सम्मान दिया गया है। वर्ष 2022 में घोषित पद्म सम्मानों में भी 34 पद्म पुरस्कार अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रही महिलाओं को मिले थे तो इस वर्ष की सूची में 19 महिलाएं शामिल थीं। ये अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आज तक कभी इतनी ज्यादा महिलाओं को पद्म सम्मान नहीं मिला है।

महिला सशक्तीकरण की हमारी हर योजना ने महिला नेतृत्व करने की दिशा में बहुत सार्थक कदम उठाए हैं। आर्थिक समावेशन को ध्यान में रखते हुए जनधन योजना शुरू की। मुद्रा योजना का लाभ पूरे देश में सबसे ज्यादा महिलाओं ने उठाया। पीएम आवास योजना में भी ज्यादातर रजिस्ट्री महिलाओं के नाम हुई। महिलाओं को मालिकाना हक मिला।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नारी : स्वर्णिम भारत की यात्रा में सारथी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के भाग्य को बदलने का काम करेगा। नारी जब कोई जिम्मेदारी संभालती है तो संकल्प को सिद्धि तक ले जाने के लिए वह जी-जान से जुट जाती हैं। इस कानून का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि ये कानून देश की नारी शक्ति में बहुत बड़ा विश्वास पैदा करेगा। देश के लिए काम करने का जज्बा, भारत को आगे बढ़ाने की शक्ति कई गुना बढ़ जाएगी। आदिवासी महिलाओं द्वारा शुरू किया गया प्रकल्प लिज्जत पापड़ आज मल्टीनेशनल कंपनियों को टक्कर देने वाला बन गया है जो भारत की नारी शक्ति का परिचय देता है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि उनका यह कौशल-सामर्थ्य है जो भगवान ने उन्हें नैसर्गिक गुण दिया हुआ है। महिलाओं के इसी कौशल का, उनके नेतृत्व का लाभ अब आने वाले दिनों में देश को होने वाला है। संसद में भी नारी शक्ति का महत्व दिखा है। सारे दलों को इस बिल का समर्थन करना पड़ा है। आज परिवार से लेकर पंचायत तक, अर्थव्यवस्था से लेकर शिक्षा और उद्यम तक, नारी शक्ति हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम कर रही हैं। भारत को चांद तक पहुंचाने में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है। आज स्टार्टअप हो, स्वयं सहायता समूह हो, या स्वच्छता जैसे सामाजिक अभियान हों, महिलाओं की भागीदारी और भूमिका देश की ताकत बन रही है। देश ने संकल्प लिया है कि जब हम आजादी के 100 वर्ष पूरे करें, तब तक हम भारत को

रक्षा क्षेत्र में बढ़े मौके

- **आरक्षण:** वर्ष 2016 में केंद्र ने सीआरपीएफ, सीआईएसएफ में सिपाही पद पर 33% महिला आरक्षण अनिवार्य किया। ये कदम सुरक्षा बलों में महिलाओं के प्रति सोच को बदलने वाला है।
- सत्र 2021-22 से सैनिक स्कूलों में लड़कियों का दाखिला शुरू।
- भारतीय नौसेना में महिला पायलटों को शामिल किया गया है।
- युद्ध के लिए तैयार स्क्वॉड्रन में महिला पायलट शामिल।
- स्थायी कमीशन के लिए महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल किया जाएगा।

स्वस्थ महिला सुरक्षा का आधार

- कुपोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी पोषण अभियान चलाया जा रहा है।
- पिछले 4 वर्षों में 11 हजार करोड़ रु. से अधिक का आवंटन हुआ।
- बेहतर पोषण परिणामों के लिए अब पोषण 2.0 शुरू किया गया।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से स्वस्थ मातृत्व सुनिश्चित हो रहा।
- गर्भवती व दुग्धपान कराने वाली माताओं के बैंक खाते में सीधे 5 हजार रुपये की राशि (तीन किस्तों में) प्रोत्साहन के रूप में।
- इस योजना में 3.3 करोड़ महिलाओं को लाभ दिया गया।

आत्मनिर्भर महिला शक्ति प्रदर्शन

- स्टार्ट अप इंडिया के तहत नारी शक्ति मिसाल कायम कर रही हैं।
- देश में मान्यता प्राप्त एक लाख स्टार्टअप हैं जिनमें 46% से अधिक के पास कम से कम एक महिला निदेशक हैं।
- स्टैंड अप इंडिया योजना से महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिला है।
- इसमें 90 हजार से अधिक महिलाओं के लिए 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण को मंजूरी।
- मार्जिन मनी 25% से घटाकर 15% कर ऋण सुलभ किया गया।

ओलंपिक में महिला एथलीटों का प्रदर्शन

- प्रतिभागियों की संख्या 2008 में 25 थी, जो 2012 में 23 रह गई।
- 2016 में 54 थी जो 2020 में बढ़कर 57 हो गई।



सशक्त भारत के लिए नारी शक्ति की सुरक्षा

- **एक राष्ट्र, एक आपातकालीन नंबर 112 लांच** 35 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में चालू किया गया।
- **सेफ सिटी प्रोजेक्ट:** अहमदाबाद, बैंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में प्रोजेक्ट शुरू।
- **डीएनए विश्लेषण इकाइयां:** कुल 190 करोड़ रुपये की लागत से 20 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में डीएनए विश्लेषण इकाइयों की स्थापना और अपग्रेडिंग को स्वीकृति।
- **वन स्टॉप सेंटर:** निजी, सार्वजनिक, परिवार, समुदाय या कार्यस्थल पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं के सहायता के लिए देश भर में 730 वन स्टॉप सेंटर संचालित, इसके साथ सखी केंद्रों पर 88 लाख से अधिक महिलाओं को मिली सहायता।
- **तीन तलाक खत्म:** 19 सितंबर 2018 से लागू मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 लागू हुआ। मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा हुई सुनिश्चित।
- **सख्त कानूनी प्रावधान:** महिलाओं के खिलाफ अपराध कम करने की दिशा में पहल। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम. 2018 को पारित कर बलात्कार के दोषियों के लिए फांसी सहित कड़ी सजा का प्रावधान।
- **फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट:** यौन अपराधों से संबंधित मुकदमों की त्वरित सुनवाई के लिए 1,023 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायलयों की स्थापना। कोविड महामारी के दौरान भी बलात्कार और पॉक्सो से संबंधित 49 हजार से अधिक लंबित मामलों का निपटारा किया गया।
- **आत्मरक्षा की पहल:** समग्र शिक्षा अभियान के तहत सरकारी स्कूलों में कक्षा 6-12 तक की लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाने की शुरुआत।
- **गर्भपात की समय सीमा:** हिंसा पीड़ित महिलाओं को राहत देने के मकसद से सरकार ने हाल ही में मेडिकल टर्मिनेशन प्रेगनेंसी एक्ट को मंजूरी दी है जिसमें गर्भपात के लिए समय सीमा को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है।
- **मातृत्व अवकाश:** गर्भवती की नौकरी और तरक्की में बाधा न बने, इसलिए मातृत्व अवकाश की सीमा को भी 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है।
- **सैनेटरी पैड:** 31 करोड़ से अधिक सैनेटरी पैड जन-औषधि केंद्र से एक रुपये में महिलाओं तक पहुंचाने का काम किया गया है।
- **मिशन शक्ति:** महिलाओं के सशक्तीकरण का एकीकृत कार्यक्रम जिसमें संबल और सामर्थ्य नाम से दो उप योजनाएं शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025-2026 तक के लिए 15,761 करोड़ रुपये का बजट है।



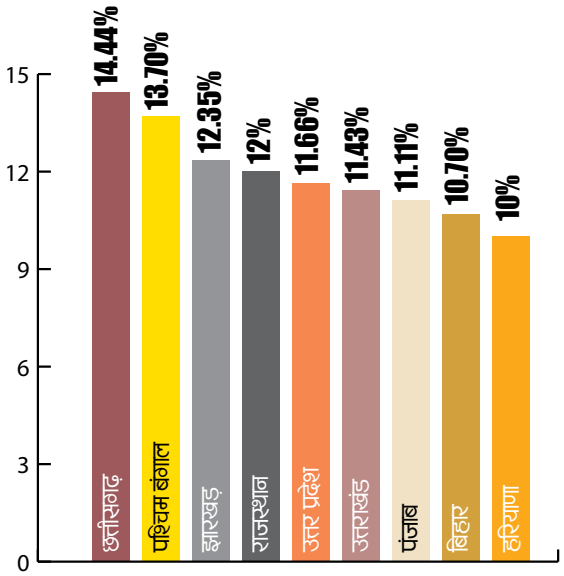
विकसित बनाकर ही रहेंगे। इसमें देश की जो आधी आबादी है, उसकी नेतृत्व के साथ सक्रिय भागीदारी, निर्णयों में बराबरी का हिस्सा ये इस सपने को साकार करने का बहुत बड़ा बल बनने वाला है।

नारी शक्ति को एक विशेष सम्मान, सिर्फ विधेयक पारित होने से मिल रहा है, ऐसा नहीं है। इस विधेयक के प्रति देश के सभी राजनीतिक दलों की सकारात्मक सोच होना, यह देश की नारी शक्ति को एक नई ऊर्जा देने वाली है। यह एक नए विश्वास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में नेतृत्व के साथ आगे आएगी, ये अपने आप में भी हमारे उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बनने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मतदान करने वाले सभी सांसदों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल एक कानून नहीं है, बल्कि उन अनगिनत महिलाओं का सम्मान है जिन्होंने हमारे देश को बनाया है और यह उनकी आवाज अधिक प्रभावी तरीके से सुना जाना सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता में एक ऐतिहासिक कदम है। संसद के दोनों सदनों में इस बिल के पारित होने के बाद महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। उसके

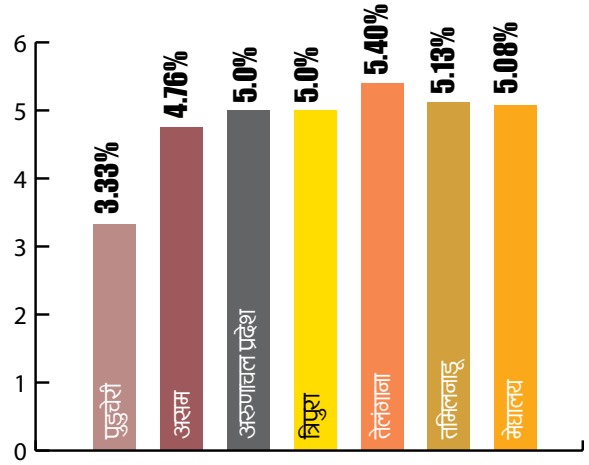
विधानसभाओं में मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 का कानून जमीनी स्तर पर जब लागू होगा तो इससे बेशक लोकसभा और राज्यों की विधानसभा में समान रूप से 33 फीसदी महिला आरक्षण मिलेगा। लेकिन पुराने आंकड़े बताते हैं कि विधानसभा में महिलाओं को अधिक फायदा मिलेगा क्योंकि तमाम राज्यों की विधानसभा में वर्तमान भागीदारी 5% या उससे भी कम है, जबकि लोकसभा में करीब 15% है। वर्ष 2014 में जम्मू-कश्मीर की जो विधानसभा थी उसमें महज 2.3% और कर्नाटक की 2018 की विधानसभा में 3.14 फीसदी महिला विधायक थीं, इसी तरह पुडुचेरी और असम की वर्तमान विधानसभा में क्रमशः 3.33% और 4.76% हिस्सेदारी है।

इन विधानसभा में महिलाएं 10% से अधिक



इन राज्यों की विधानसभा में महिलाएं कम

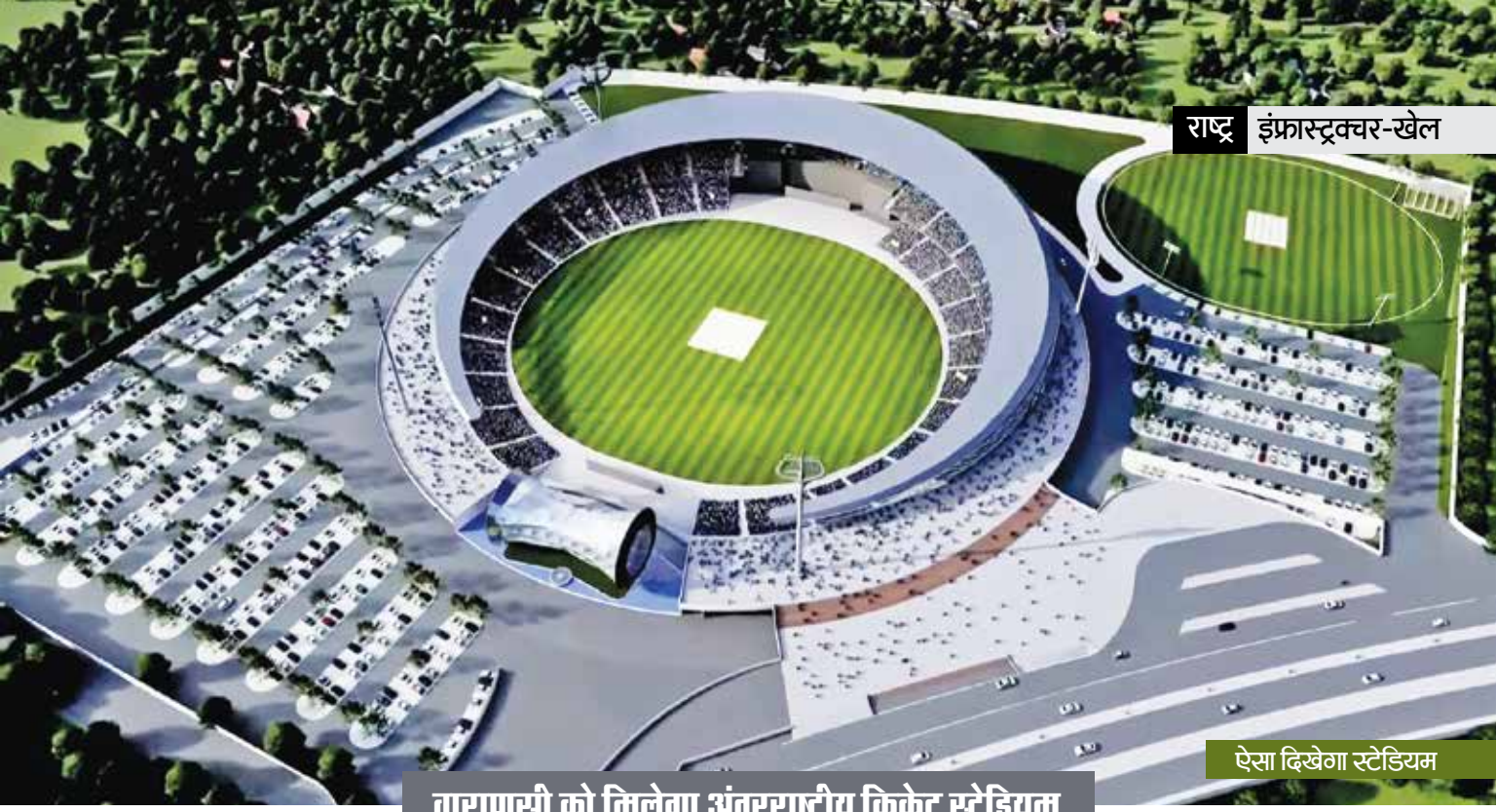


बाद प्रधानमंत्री ने कहा, "हमें ओजस्वी महिला सांसदों से मिलने का सम्मान मिला, जो नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने से बेहद खुश हैं। यह देखकर खुशी होती है कि परिवर्तन के पथ-प्रदर्शक उसी कानून का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आए हैं, जिसका उन्होंने समर्थन किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के साथ, भारत एक उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य के शिखर पर है और हमारी नारी शक्ति इस परिवर्तन के मूल में है।"

आज महिलाएं स्वतंत्र हैं, आर्थिक रूप से सशक्त हैं, दृढ़ संकल्प से लैस हैं, सुरक्षा का भाव है और सिर्फ सपने देख नहीं रहीं, बल्कि उसे साकार भी कर रही हैं तो उसकी बड़ी वजह बीते कुछ वर्षों में केंद्र सरकार की ओर से नारी उत्थान के लिए किए गए प्रयास हैं। दशकों से चली आ रही लड़की या महिला को कमतर मानने की सोच में आया बदलाव है। अब लड़की के पैदा होने पर मायूसी के साथ 'लड़की हुई है' कहने वाले उत्साह के साथ कहने लगे हैं 'अरे वाह, घर में लक्ष्मी आई है।' इसी सोच के साथ नए भारत की नई संसद ने नया इतिहास रचा है।

अमृत काल में नए संसद भवन में पहला बिल नारी शक्ति के वंदन का है। इस बिल को संसद ने सर्वसम्मति से पारित किया है जो भारत के प्रधान सेवक, सच्चे कर्मयोगी, साधक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकतंत्र की यात्रा में नया इतिहास रचा है। समर्पित है नारी शक्ति के वंदन की ये कुछ पंक्तियां...

नारी शक्ति तेरा वंदन है,
वंदन है, अभिनंदन है,
नारी शक्ति का मान बढ़ेगा,
भारत का सम्मान बढ़ेगा,
शान बढ़ेगी, आन बढ़ेगी,
नारी की पहचान बढ़ेगी,
सपनों को अब पंख लगेंगे,
घर के आंगन तक नहीं रुकेंगे,
नारी को अधिकार मिलेंगे,
मिलजुल कर काम करेंगे,
देश हमारा विकसित होगा,
दुनिया का नेतृत्व करेगा,
जन-जन अब जयगान कर रहा है,
नारी शक्ति तेरा वंदन,
वंदन है और अभिनंदन है। ●



ऐसा दिखेगा स्टेडियम

वाराणसी को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

वाराणसी में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं भविष्य के भारत का भव्य प्रतीक

दुनिया के प्राचीन शहरों में शामिल सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी को मजबूत अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ा जा रहा है। चाहे बात रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर की हो या बेहतर सड़क कनेक्टिविटी की, कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए एकीकृत पैक हाउस या फिर स्मार्ट निगरानी के लिए 3,000 कैमरे और एकीकृत कमांड-कंट्रोल सेंटर की, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मंदिर, गंगा घाट और भक्ति के रंग में अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जुड़ने जा रहा है जिसका 23 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने किया शिलान्यास। साथ में 16 अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण और काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव समारोह को किया संबोधित...

वाराणसी से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांसद बनने के बाद से इस शहर को लगे विकास के पंख अब फैलने लगे हैं। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी अब आध्यात्म के साथ हर क्षेत्र में विकास की तेज रफ्तार पकड़ रही है। अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोये यहां के लोग अब तेज आर्थिक विकास की राह पर चल पड़े हैं। जिस तेज गति से यहां इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है या दूसरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं उससे भोले की नगरी मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर वाले शहरों में भी पहचान बना रही है। 23 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। इससे न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को उनके सपने साकार करने में मदद मिलेगी। स्टेडियम शुरू होने के बाद यह पूरा क्षेत्र स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी काशी के आध्यात्मिक पहचान को और अधिक मजबूती दिलाने के लिए काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए और आने वाले समय में इसके और विस्तार की कल्पना की है। पीएम मोदी ने वर्ष 2014 में

जिस काशी की कल्पना की थी, विकास और विरासत का जो सपना देखा था अब तेजी से साकार हो रहा है। वाराणसी में अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा किया गया जिसमें श्रमिक परिवारों के बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनके रहने तक की व्यवस्था स्कूल के आवासीय परिसर में की गई है।

भगवान शिव की थीम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का डिजाइन

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जिस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया गया वो 450 करोड़ रुपये की लागत से गंजारी, राजातालाब में बनेगा। यह 30 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला होगा। इस स्टेडियम की वास्तुकला भगवान शिव से प्रेरित है, जिसमें अर्धचंद्राकार छत के कवर, त्रिशूल के आकार की लाइट, घाट की सीढ़ियों पर आधारित बैठने की व्यवस्था और स्टेडियम के अगले हिस्से पर बेलपत्र के आकार की धातु की चादरों के डिजाइन विकसित किए जाएंगे। स्टेडियम में दर्शकों के बैठने की क्षमता 30,000 है जो जरूरत पड़ने पर 10,000 और बढ़ाई जा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि जब खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर बनता है तो सिर्फ खेल ही नहीं स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक असर होता है। जब स्पोर्ट्स के ऐसे बड़े सेंटर बनेंगे तो उसमें बड़े स्पोर्ट्स आयोजन होंगे, बड़ी संख्या में दर्शक और खिलाड़ी आएंगें। इससे होटल, छोटी-बड़ी खाने-पीने की दुकानों और रिक्शा-ऑटो-टैक्सी वालों को फायदा होगा। बड़े स्टेडियम की वजह से स्पोर्ट्स कोचिंग के नए सेंटर खुलेंगें। साथ ही वाराणसी के युवा नए खेल स्टार्टअप के बारे में सोच सकते हैं। फिजियोथेरेपी समेत स्पोर्ट्स से जुड़ी बहुत सी पढ़ाई और कोर्सेज शुरू होंगे और बहुत बड़ी स्पोर्ट्स इंडस्ट्री भी वाराणसी में आएगी।

खेलों के प्रति काशी में आए बदलाव को देखते हुए काशी के युवाओं को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सिगरा स्टेडियम पर भी 400 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यहां 50 से अधिक खेलों के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। यह देश का पहला बहुस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होगा जो दिव्यांगजनों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। सिंथेटिक ट्रैक, सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट तैयार करने के साथ-साथ शहर की पुरानी व्यवस्थाओं को भी सुधार रहे हैं।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, उपाध्यक्ष राजीव



शुक्ला और सचिव जय शाह एवं सचिन तेंदुलकर सहित तमाम पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी शामिल हुए।

विकास व विरासत का सपना धीरे-धीरे हो रहा साकार

सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 का समापन कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 23 सितंबर को रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सम्मेलन केंद्र में आयोजित हुआ जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार भी भेंट किए।

महोत्सव में 17 विधाओं में 37 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। लाखों दर्शक प्रत्यक्ष रूप से इसका आनंद लेने के लिए आए। पीएम मोदी ने कहा कि वाराणसी के लोगों के प्रयास से आने वाले वर्षों में ये सांस्कृतिक महोत्सव अपने आप में काशी की एक अलग पहचान बनने वाला है। कार्यक्रम के दौरान काशी सांसद खेल प्रतियोगिता के पोर्टल को भी लांच किया गया।

भविष्य में काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिससे काशी के इतिहास, यहां की समृद्ध विरासत, त्योहार, खान-पान के प्रति जागरुकता बढ़े। पूरी दुनिया में अगर कोई कहीं गाइड की बात करे तो काशी के गाइड का नाम सबसे सम्मान से लिया जाए। सभी काशी वासियों से पीएम मोदी ने अपील की है कि अभी से इसकी तैयारी शुरू कर दीजिए और बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लें। शहर के लोग काशी के बारे में सबसे अधिक जानकार हैं और प्रत्येक निवासी काशी का सच्चा ब्रांड एम्बेसडर है। पीएम मोदी ने गुणवत्तापूर्ण टूरिस्ट गाइडों की प्रणाली को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा जो शहर का ठीक तरह से वर्णन कर सकें। पीएम मोदी ने कहा आने वाले समय में काशी



प्रधानमंत्री ने किया नारी शक्ति को नमन

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने उनमें जिस ऊर्जा का प्रवाह किया है, वह अमृत काल के संकल्पों को और अधिक मजबूत करने जा रही है।

सांसद टूरिस्ट गाइड प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा "मैं ऐसा करना चाहता हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि दुनिया मेरी काशी के बारे में जाने। मैं चाहता हूं कि काशी के टूरिस्ट गाइड दुनिया में सबसे अधिक सम्मानित हों।"

अटल आवासीय विद्यालय: कोविड में अनाथ बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा

श्रमिकों सहित समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी ने 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण किया। इन विद्यालयों के निर्माण पर कुल 1,115 करोड़ रुपये की लागत आई है। प्रत्येक स्कूल 10 से 15 एकड़ के क्षेत्र में निर्मित किया गया है जिसमें कक्षाएं, खेल मैदान, मनोरंजन क्षेत्र, एक मिनी सभागार, छात्रावास परिसर, मेस और कर्मचारियों के लिए आवासीय फ्लैट हैं। हर विद्यालय में 1,000 छात्रों को समायोजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वालों के बच्चों को इन स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इस विद्यालय में सामान्य पाठ्यक्रमों के अलावा संगीत, कला, शिल्प, प्रौद्योगिकी और खेल की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की देखभाल के लिए सभी राज्यों को मिलने वाले बजट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कई राज्यों ने इस धनराशि का उपयोग चुनावी अवसरवादी उद्देश्यों के लिए किया जबकि उत्तर प्रदेश में इसका उपयोग समाज के गरीब तबके के बच्चों के भविष्य के लिए किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे शब्दों को याद रखें, अगले 10 वर्षों के भीतर आप काशी के गौरव को इन स्कूलों से बाहर आते देखेंगे।' ●

"खेलों में आज भारत को जो सफलता मिल रही है, वे देश की सोच में आए बदलाव का परिणाम है। हमने स्पोर्ट्स को युवाओं की फिटनेस, युवाओं के रोजगार और उनके कैरियर से जोड़ा है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

18 दिन का 'स्वच्छता ही सेवा' जन आंदोलन में 109 करोड़ लोगों की भागीदारी

स्वच्छ भविष्य के लिए श्रेष्ठ प्रयास की स्वच्छांजलि

स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास अपना अलग महत्व रखता है। ऐसे में कचरा मुक्त राष्ट्र के लिए 1 अक्टूबर को देशभर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वच्छांजलि दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम की 105वीं कड़ी में इस स्वच्छता अभियान में समय निकालकर जुड़ने कि अपील की थी। उन्होंने कहा, अपनी गली, आस-पड़ोस, पार्क, नदी, सरोवर और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के लिए जुड़ें। देशभर में इस दिन 9.20 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित हुए और 31.39 लाख से अधिक स्वच्छता श्रमदान की फोटो की गई अपलोड...

स्वच्छ भविष्य का स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद फिटनेस इंफ्लुएंसर अंकित बैयानपुरिया के साथ एक घंटा स्वच्छांजलि के अभियान में शामिल हुए। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह स्वच्छता और फिटनेस के महत्व पर बात करने के साथ ही पार्क की साफ-सफाई करते दिखे। पीएम मोदी ने कहा, "जैसा कि देश स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, अंकित बैयानपुरिया और मैंने भी वैसा ही किया! स्वच्छता के साथ, हमने फिटनेस और कल्याण के बारे में भी बात की। यह सब स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए किया!"

53 करोड़ से अधिक लोगों की 'श्रमदान' गतिविधियों में भागीदारी

8.75 करोड़ लोगों की 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' स्वच्छांजलि में भागीदारी

7,611 समुद्र तटों की सफाई

6,371 नदी तट और जलप्रपातों को पुनर्जीवित किया

16,000 से अधिक जल निकायों को साफ किया

1,23,000 सार्वजनिक स्थलों को व्यवस्थित किया








‘स्वच्छ भारत’ पिछले नौ वर्षों के दौरान सभी को शामिल करते हुए एक बड़ा अभियान बन गया है। बच्चों ने इसमें एक भावनात्मक शक्ति का संचार किया। मशहूर हस्तियों ने इसे ऊंचाई दी, देश के सभी कोने से लोगों ने इसे एक मिशन में बदल दिया और आप जैसे यूट्यूबरों ने स्वच्छता को बेहतर बनाया। इस आंदोलन को तब तक न रोकें जब तक स्वच्छता भारत की पहचान न बन जाए।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

(यूट्यूब फैन फेस्ट इंडिया 2023 के संबोधन में।)



स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के सपने को साकार करने के लिए केंद्रीय मंत्री अलग-अलग जगहों पर ‘स्वच्छता ही सेवा’ कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्रियों ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ‘स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत’ का जो सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए हर देशवासी समर्पित है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए ‘14 मिनट की चमत्कारी सफाई’ की शुरुआत की जिससे ट्रेन के फिर से तैयार होने के समय में कमी सुनिश्चित होगी। ●

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम पोर्टल का शुभारंभ

जब कभी भी आजादी के बाद भारत की शीर्ष 10 योजनाओं का जिक्र होगा तब आकांक्षी जिला कार्यक्रम और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम को सबसे ऊपर रखा जाएगा। आकांक्षी जिला कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता से देश को यह प्रेरणा मिली कि ऐसी योजनाओं को ब्लॉक स्तर पर भी लाना चाहिए। इसी सोच के तहत 30 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकांक्षी ब्लॉक के लिए सप्ताह भर का विशिष्ट कार्यक्रम ‘संकल्प सप्ताह’ का शुभारंभ किया जो देश भर के 329 जिलों के सभी 500 आकांक्षी ब्लॉक में मनाया गया…

आकांक्षी जिला अभियान ने, देश के 112 जिलों में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन बदल दिया। क्वालिटी ऑफ लाइफ और इज ऑफ गवर्नेंस में बदलाव आया है। इस अभियान की सफलता अब आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का आधार बनी है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यदि आप दो कदम आगे बढेंगे तो मैं तीन कदम आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। यदि आप प्रतिदिन 12 घंटे काम करना चाहते हैं तो मैं आपके साथ 13 घंटे काम करूंगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम पोर्टल का शुभारंभ किया। सभी 500 आकांक्षी ब्लॉक में 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2023 तक ‘संकल्प सप्ताह’ मनाया गया। ‘संकल्प सप्ताह’ में प्रत्येक दिन एक विशिष्ट विकास विषय को समर्पित किया गया, जिन पर सभी आकांक्षी ब्लॉक ने काम किया।





51,000 नियुक्ति पत्र वितरित

रोजगार सृजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

युवाओं के सपने सच करने का माध्यम

भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था और दुनिया का सबसे युवा देश है। इन युवा शक्ति के सपनों को पंख देने के लिए पिछले 9 वर्ष में स्किल और नवाचार से लेकर स्टार्टअप तक रोजगार के नए अवसर और नई संभावनाएं सृजित की गई। इसका लाभ करोड़ों युवाओं को मिला है। युवा शक्ति के सामर्थ्य से राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को जोड़ने के प्रयासों में रोजगार मेला एक अहम कड़ी बन कर सामने आया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर को रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को प्रदान किए नियुक्त पत्र...

भारत की आकांक्षाएं 21वीं सदी में बहुत ऊंची हैं। हमारे समाज की, सरकार से अपेक्षाएं बहुत ज्यादा हैं। नया भारत वो भारत है जिसने कुछ दिन पहले चंद्रमा पर अपना तिरंगा लहराया है। इस नए भारत के सपने बहुत ऊंचे हैं और देश ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। इसके लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। लगभग 51,000 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीन पर उतारने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आप सभी नव-नियुक्त सरकारी कर्मचारियों पर है। जब आप जैसे लाखों युवा सरकारी सेवाओं से जुड़ते हैं तो नीतियों को लागू करने की स्पीड और स्केल भी बढ़ जाती है। इससे सरकार के बाहर भी रोजगार के अवसर तैयार होते हैं। साथ-साथ कामकाज की नई व्यवस्था भी बनती है।

रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उम्मीद है कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को



अब तक करीब 6 लाख युवाओं को मिली नौकरी

रोजगार मेला	कब हुआ	नियुक्ति पत्र दिए
पहला	22 अक्टूबर 2022	75 हजार से ज्यादा
दूसरा	22 नवंबर 2022	71 हजार से अधिक
तीसरा	20 जनवरी 2023	71 हजार से अधिक
चौथा	13 अप्रैल 2023	71 हजार से अधिक
पांचवां	16 मई 2023	70 हजार से अधिक
छठवां	13 जून 2023	70 हजार से अधिक
सातवां	22 जुलाई 2023	70 हजार से अधिक
आठवां	28 अगस्त 2023	51 हजार से अधिक
नौवां	26 सितंबर 2023	51 हजार से अधिक

विभिन्न विभागों में काम करेंगे चयनित अभ्यर्थी

देश भर से नई भर्तियों में चयनित होने वाले अभ्यर्थी विभिन्न विभाग और मंत्रालयों में काम करेंगे। ये अभ्यर्थी डाक विभाग, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में कार्य करेंगे।

आज के इस रोजगार मेले में भी हमारी बेटियों को बड़ी संख्या में नियुक्ति पत्र मिले हैं। आज भारत की बेटियां स्पेस से स्पोर्ट्स तक अनेक नए कीर्तिमान बना रही है। मुझे नारी शक्ति की इस सफलता पर बहुत गर्व होता है।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उनके सशक्तीकरण एवं राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। रोजगार मेला के तहत सरल, समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से भारत सरकार सहयोगी राज्य सरकारों के साथ मिल कर 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां देने के लिए संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रही है। रोजगार मेला आज युवाओं के सपनों को सच करने का सशक्त माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी को देश की विकास यात्रा में सरकार के साथ सीधे जुड़कर काम करने का अवसर मिला है। मेरा आपसे आग्रह है कि इस यात्रा में आप सीखते रहने की अपनी आदत को बनाए रखिए। ऑनलाइन लर्निंग पोर्टल - 'आईजीओटी कर्मयोगी' के द्वारा आप अपनी पसंद के पाठ्यक्रम से जुड़ सकते हैं। मैं चाहता हूं कि आप सभी इस सुविधा का लाभ उठाएं।

देश भर से चुने गए ये नवनियुक्त अभ्यर्थी सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के जरिए राष्ट्र को अपनी सेवा प्रदान करेंगे। रोजगार मेला देश भर में 46 स्थानों पर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने नियुक्ति पत्र ग्रहण करने वाले अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि आप सभी ने कड़े परिश्रम के बाद ये सफलता हासिल की है। आप का चयन लाखों अभ्यर्थियों के बीच से किया गया है, इसलिए इस सफलता का आपके जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। ●



एक साथ 11 राज्यों को मिली वंदे भारत कनेक्टिविटी

शहरों में निर्बाध कनेक्टिविटी बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। भारत परिवहन को तेज विकास की गारंटी मानता है। यही वजह है कि आधुनिक कनेक्टिविटी को स्पीड और स्केल के साथ विस्तार दिया जा रहा है। इसी मजबूत कनेक्टिविटी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 सितंबर को नौ वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की। इन नौ वंदे भारत ट्रेन से 11 राज्यों को हाईस्पीड कनेक्टिविटी मिली। वंदे भारत ट्रेन जहां-जहां पहुंची है, वहां पर्यटकों की संख्या और आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से रोजगार के नए अवसर भी हो रहे हैं तैयार...

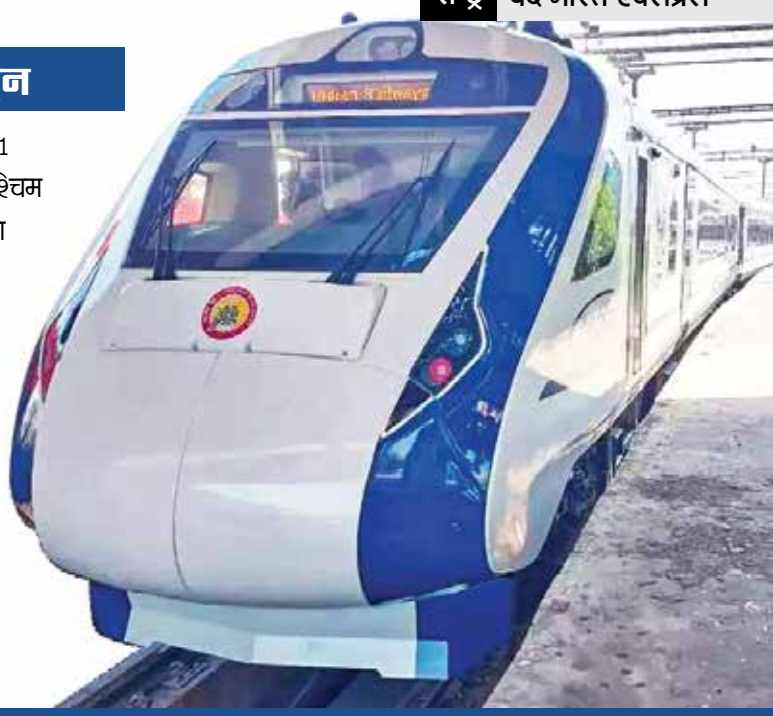
देश की कनेक्टिविटी में सुधार करने और रेल यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारत सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। देश के विभिन्न राज्यों को अभी तक 25 वंदे भारत ट्रेन की सुविधा मिल रही थी जिसकी संख्या इस 9 नई वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन के जुड़ने से 34 हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन 9 ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि देश में ट्रांसपोर्ट का एक माध्यम, दूसरे को सपोर्ट करे, इसके लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी पर जोर दिया जा रहा है। इन सारे प्रयासों का बड़ा लक्ष्य यही है कि भारत के नागरिकों के लिए इज ऑफ ट्रेवल बढ़े और उनका कीमती समय बचे। ये वंदे भारत ट्रेनें इसी भावना का एक प्रतिबिंब हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ जिस उद्देश्य के लिए हुआ था उसे वह बखूबी पूरा कर रही है। ये ट्रेन उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गई है जो सफर का समय कम से कम रखना चाहते हैं और दूसरे शहर में कुछ घंटों का काम खत्म करके उसी दिन लौट आना चाहते हैं। वंदे भारत का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इससे अब तक एक करोड़ 11 लाख से ज्यादा यात्री सफर कर चुके हैं। ये संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। पीएम मोदी कहते हैं कि जिन ट्रेन की अब शुरुआत हुई है, वे पहले की तुलना में ज्यादा आधुनिक और आरामदायक हैं। ये वंदे भारत ट्रेन नए भारत के नए जोश, नए उत्साह और नई उमंग के प्रतीक हैं। वो दिन दूर नहीं, जब वंदे भारत ट्रेन देश के हर हिस्से को कनेक्ट करेंगी।

विकास को गति प्रदान करेंगी 9 वंदे भारत ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। ये 9 ट्रेन 11 राज्यों- राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई, उनके नाम हैं:

1. उदयपुर- जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
2. तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस
3. हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
4. विजयवाड़ा-चेन्नई (रेनिगुंटा के रास्ते) वंदे भारत एक्सप्रेस
5. पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
6. कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस
7. राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस
8. रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
9. जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस



यात्रियों के समय में होगी काफी बचत

ये सभी 9 वंदे भारत ट्रेन अपने संचालन के रूटों पर सबसे तेज गति से दौड़ेंगी और यात्रियों का काफी समय बचेगा।

- रूट पर मौजूदा सबसे तेज ट्रेनों की तुलना में राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग तीन घंटे जल्दी सफर तय करेंगी।
- हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस 2.5 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी। तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी।
- रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग एक घंटे के समय की बचत करेंगी।
- उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग आधे घंटे जल्दी सफर तय करेंगी।

भारतीय रेलवे, देश के गरीब और मिडिल क्लास की सबसे भरोसेमंद सहयात्री है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार, भारतीय रेलवे के कायाकल्प में जुटी है। सरकार ने रेल बजट में अभूतपूर्व बढ़ोतरी की है। 2014 में रेलवे का जितना बजट था, इस साल उससे 8 गुना ज्यादा बजट दिया गया है। रेल लाइनों का दोहरीकरण, बिजलीकरण, नई ट्रेनों को चलाना, नए रूट्स का निर्माण, इन सभी पर तेजी से काम हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही 500 से ज्यादा बड़े रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण का काम शुरू हुआ है। 'अमृत काल' के दौरान बने ये स्टेशन 'अमृत स्टेशन' के नाम से जाने जाएंगे और नए भारत का चेहरा बनेंगे।

नई 9 वंदे भारत ट्रेन देश के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार करेगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप है। राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पुरी और मदुरै के महत्वपूर्ण धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। इसके अलावा, विजयवाड़ा-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेनिगुंटा रूट से संचालित होगी और तिरुपति तीर्थस्थल केंद्र तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। ●

रेलवे स्टेशनों का स्थापना दिवस

रेलवे स्टेशन कोई भी हो, उसका एक स्थापना दिवस जरूर होता है। अब रेलवे ने रेलवे स्टेशनों का जन्मोत्सव यानी स्थापना दिवस मनाना शुरू किया है। हाल ही में तमिलनाडु के कोयंबटूर, मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, पुणे समेत कई स्टेशनों के स्थापना दिवस को सेलिब्रेट किया गया। कोयंबटूर के रेलवे स्टेशन ने तो यात्रियों की सेवा के 150 वर्ष पूरे किए हैं। अब रेलवे स्टेशनों का जन्मदिवस मनाने की इस परंपरा का और विस्तार किया जाएगा, इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाएगा।



सफलता की नित-नई ऊंचाइयां छू रहा वाइब्रेंट गुजरात

विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए गुजरात में 20 वर्ष पहले शुरू हुआ वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अब वैश्विक कार्यक्रम बन गया है। अब यह सम्मेलन भारत के सबसे प्रमुख व्यावसायिक शिखर सम्मेलनों में से एक होने का दर्जा प्राप्त कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 27 सितंबर को अहमदाबाद के साइंस सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही, उन्होंने छोटा उदेपुर के बोडेली में 5,200 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली कई परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास...

गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2003 में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की शुरूआत की थी जिसने निवेश और विकास की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इसका असर दूर-दूर तक हुआ है, जिससे प्रगति और समृद्धि सामने नजर आती है। वाइब्रेंट गुजरात की सफलता इसकी विकास यात्रा से भी समझी जा सकती है। 2003 में इस समिट से कुछ सौ प्रतिभागी और प्रतिनिधि जुड़े थे लेकिन अब इसकी संख्या 40 हजार पर पहुंच गई है। शुरुआत में काफी कम देशों ने हिस्सा लिया था लेकिन आज 135 देश तक इसमें भाग लेने लगे हैं।

2003 में इस समिट की शुरुआत में करीब 30 एग्जीबिटर आए थे अब 2 हजार से अधिक एग्जीबिटर इस समिट में आ रहे हैं। 20 साल पहले बोया गया एक छोटा सा बीज देखते-देखते विशाल और वाइब्रेंट वट-वृक्ष बन गया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "बरसों पहले मैंने कहा था कि वाइब्रेंट गुजरात सिर्फ ब्रांडिंग का आयोजन भर नहीं है बल्कि इससे बढ़ कर बॉन्डिंग का आयोजन है।"

20वीं सदी में गुजरात को एक 'व्यापारी' राज्य के रूप में देखा जाता था। 21वीं सदी में, गुजरात कृषि महाशक्ति, वित्तीय केंद्र, एक उद्योग और विनिर्माण केंद्र में बदल गया, जिसने अपनी एक नई पहचान बनाई है। 'वाइब्रेंट गुजरात' एक ऐसे संस्थान के



वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में शामिल हुईं विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां

- वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उद्योग संघों, व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां, युवा उद्यमियों, उच्च व तकनीकी शिक्षा कॉलेजों के छात्र सहित अन्य लोगों ने शिरकत की।
- पिछले 20 वर्षों में, वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 'गुजरात को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाने' से 'नए भारत को आकार देने' तक विकसित हुआ है।
- वाइब्रेंट गुजरात की अद्वितीय सफलता पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गई। इसने अन्य भारतीय राज्यों को भी ऐसे निवेश शिखर सम्मेलनों का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया है।

बोडेली, छोटा उदेपुर में कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

5,200 करोड़

रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बोडेली, छोटा उदेपुर में किया।

4,500 करोड़

रुपये से अधिक की कई परियोजनाएं 'मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' कार्यक्रम के इसमें शामिल।

- प्रधानमंत्री ने गुजरात के स्कूलों में निर्मित हजारों नई कक्षाएं, स्मार्ट कक्षाएं, कंप्यूटर लैब, विज्ञान, प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग और गणित प्रयोगशालाएं सहित कई अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर का लोकार्पण किया।
- मिशन के तहत गुजरात के स्कूलों में हजारों कक्षाओं में सुधार और उन्नयन की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने 'विद्या समीक्षा केंद्र 2.0' परियोजना की आधारशिला भी रखी।

जब रोबोट ने परोसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाय



गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अहमदाबाद के साइंस सिटी के रोबोटिक्स गैलरी के कैफे पहुंचे तो एक रोबोट ने उन्हें एक कप चाय परोसी। प्रधानमंत्री मोदी ने रोबोट द्वारा परोसी गई चाय का आनंद लिया। रोबोटिक्स गैलरी के अलावा इस दौरान उन्होंने नेचर पार्क, एक्वाटिक गैलरी और शार्क टनल का भी दौरा किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने साइंस सिटी के दौरे को लेकर कहा, "सुबह का कुछ समय गुजरात साइंस सिटी के मनमोहक आकर्षणों का अवलोकन करने में व्यतीत किया। इसकी शुरुआत रोबोटिक्स गैलरी से हुई, जहां रोबोटिक्स की अपार संभावनाओं को शानदार ढंग से प्रदर्शित किया गया है। यह देखकर प्रसन्नता हुई कि ये प्रौद्योगिकियां किस प्रकार से युवाओं में जिज्ञासा जगा रही हैं।"

रूप में विकसित हुआ है, जिसकी प्रणाली और प्रक्रियाएं साल भर सरकार के भीतर और बाहर स्वायत्त रूप से संचालित होती रहती है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, "हमारा सपना था कि गुजरात देश का विकास इंजन बने। यह विजन साकार हो गया और 2014 में जब हमें देश की सेवा करने का अवसर मिला तो हमारे लक्ष्य का भी विस्तार हुआ। अब हमारा लक्ष्य भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन बनाना है।"

गुजरात के बोडेली, छोटा उदेपुर में प्रधानमंत्री मोदी ने 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे नाम पर अभी घर नहीं है लेकिन मैंने देश की लाखों महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिलाया है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं को अवसर प्रदान करते हुए योग्यता को प्रोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मैं छोटा उदेपुर सहित पूरे जनजातीय क्षेत्र की माताओं-बहनों से कहने आया हूं कि आपका बेटा आपके अधिकारों को सुनिश्चित करने आया है।" ●





राष्ट्र के विकास में मजबूत भागीदार

श्रमेव जयते

विकसित भारत के निर्माण की आकांक्षाओं की सिद्धि में श्रम शक्ति की बड़ी भूमिका है। इसी सोच के साथ श्रम और श्रमजीवियों के सम्मान की एक संस्कृति नए भारत में बन रही है। राष्ट्र अब अपनी श्रम शक्ति पर गर्व कर रहा है। विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के समय श्रमिकों पर पुष्पवर्षा, प्रयागराज कुंभ में स्वच्छता कर्मियों के पैर धोना, नई संसद में श्रमिकों की विशेष गैलरी स्थापित कर शीर्ष नेतृत्व भी देश के विकास में श्रमेव जयते की ताकत को स्वीकार रहा है। कौशल को सम्मान देने के लिए 16 अक्टूबर 2014 को श्रमेव जयते कार्यक्रम की हुई थी शुरुआत..

श्रमिकों को सम्मान देने की परंपरा से मिलने वाली प्रेरणा श्रम से सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी। बीते 9 वर्षों में राष्ट्र की श्रमेव जयते की परंपरा को वर्तमान सरकार ने पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। देश जहां कौशल को सम्मान दे रहा है तो वहीं कौशल विकास पर लगातार जोर भी दिया जा रहा है। श्रमेव जयते कार्यक्रम की पांच पहल, प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना जैसे अनेक प्रयास श्रमिकों के लिए सुरक्षा कवच बन रहे हैं। ऐसी योजनाओं की वजह से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के मन में ये भाव जगा है कि देश उनके श्रम का सम्मान करता है।

देश के हर श्रमिक को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए, श्रमेव जयते कार्यक्रम के तहत शुरू श्रम सुविधा पोर्टल, ई-श्रम पोर्टल हो या इसके तहत असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का पंजीकरण कर उन्हें स्मार्ट कार्ड और सामाजिक सुरक्षा के लाभ देना, हर कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। ई-श्रम पोर्टल में 400 अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले 29 करोड़ से अधिक श्रमिक जुड़ चुके हैं। असंगठित क्षेत्र से निर्माण श्रमिक, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार, गिग और प्लेटफार्म श्रमिक भी जुड़े हैं। इन्हें यूएएन, स्वास्थ्य, बीमा जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। नेशनल कैरियर सर्विस और असीम व उद्यम पोर्टल से भी इसे जोड़ा गया है। इससे पूर्व 29 श्रम कानूनों को सरल बनाकर 4 कोड में बदला गया, इसमें गिग

> *श्रम की प्रतिष्ठा, श्रमिकों की प्रतिष्ठा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते के माध्यम से, सरकार श्रमिकों को सशक्त बना कर उनके लिए व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।*
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

आइए जानते हैं श्रमेव जयते कार्यक्रम की प्रगति

समर्पित श्रम सुविधा पोर्टल: श्रम कानून अनुपालन का वन-स्टॉप-शॉप एकीकृत श्रम सुविधा पोर्टल निरीक्षण की रिपोर्टिंग और रिटर्न जमा करने की सुविधा के लिए विकसित किया गया है। किसी भी श्रम कानून के तहत निरीक्षण योग्य इकाई को एक श्रम पहचान संख्या (**LIN**) सौंपी गई है। शुरुआत 6 लाख इकाइयों को **LIN** देने से की गई थी।

42.07 लाख श्रम पहचान संख्या अभी तक जनरेट हुईं। **8.05 लाख** निरीक्षण रिपोर्ट ऑनलाइन जमा की गईं।

आकस्मिक निरीक्षण की नई योजना
72 घंटे में रिपोर्ट अपलोड

इस योजना में व्यवस्था की गई है कि निरीक्षण के लिए इकाइयों का चयन मानवीय हस्तक्षेप के बिना तकनीक का इस्तेमाल कर किया जाएगा। इंस्पेक्शन के 72 घंटे के भीतर रिपोर्ट वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी।

यूनिवर्सल खाता संख्या: पोर्टेबिलिटी हुई आसान

पोर्टेबल, परेशानी मुक्त और ऐसा भविष्य निधि खाता जिस तक कहीं से भी पहुंचा जा सकता है। देशभर में 19.63 करोड़ यूएएन जारी किए जा चुके हैं। ईएसआईसी के खातों को भी यूनिवर्सल खाता संख्या से जोड़ा जा रहा है। जुलाई, 2023 तक 1.71 करोड़ खाते यूएएन से जोड़े जा चुके हैं।

ई-श्रम पोर्टल: असंगठित श्रमिकों को मिली पहचान

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का डेटा बेस तैयार करने के लिए 26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई। 24 सितंबर, 2023 तक ई-श्रम पोर्टल पर 29.11 करोड़ असंगठित श्रमिकों ने अपना पंजीकरण कराया है।

पहले की सीख को मान्यता: प्रमाणीकरण पर जोर

कृषि एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के बाद निर्माण क्षेत्र भारत में तीसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है। करीब साढ़े चार करोड़ कामगार इसमें कार्यरत हैं। 2014 तक 86% श्रमिकों ने कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था। श्रमिकों की सीख के प्रमाणीकरण का राष्ट्रीय कार्यक्रम करीब 8.3 करोड़ निर्माण श्रमिकों की मांग की पूर्ति को ध्यान में रखकर चलाए जा रहे हैं।

प्रशिक्षु प्रोत्साहन योजना
20 लाख से अधिक प्रशिक्षु उम्मीदवार

योजना की शुरुआत के समय 2.9 लाख प्रशिक्षु थे, उनकी संख्या अगले कुछ वर्षों में 20 लाख करने का लक्ष्य रखा गया। पहले दो वर्ष में किए जाने वाले भुगतान की 50% राशि लौटाई गई। इसके बाद राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) की शुरुआत अगस्त, 2016 में की गई। वर्ष 2019 से अगस्त, 2023 तक इस योजना में देशभर में 20.35 लाख उम्मीदवार जुड़े हैं।

आईटीआई ब्रांड एम्बेस्डर को मान्यता
प्रशिक्षित श्रमबल बढ़ना शुरू

श्रमेव जयते की शुरुआत 2014 में इसलिए की गई क्योंकि भारत में केवल 10% श्रमिक ही प्रशिक्षित हैं जबकि दक्षिण कोरिया, जापान, जर्मनी में यह आंकड़ा करीब 97% है। इसलिए वोकेशनल प्रशिक्षण के लिए आईटीआई ग्रेजुएट को ब्रांड एम्बेस्डर के तौर पर मान्यता देने की शुरुआत की गई।

पुनर्गठित राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना
स्वास्थ्य योजनाओं का बढ़ा दायरा

देश में 93% कामगार असंगठित क्षेत्र के हैं, इसलिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में उन्हें लाभ देने के लिए कुछ सुधार किए गए। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को स्मार्ट कार्ड देना जिसमें दो और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विवरण होगा। इनमें से करीब 40% कामगार पहले से ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पंजीकृत हैं।

और प्लेटफार्म श्रमिकों की परिभाषाएं पहली बार सामने आईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रमेव जयते के विजन के अनुरूप अब श्रम मंत्रालय अमृतकाल में वर्ष 2047 के विकसित भारत के लिए श्रमिकों को ध्यान में रखकर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष राज्यों के श्रम मंत्रियों के सम्मेलन में सुझाव दिया था कि फ्लैक्सी वर्क प्लेस, वर्क फ्रॉम होम इकोसिस्टम, फ्लैक्सी वर्क ऑवर का इस्तेमाल महिला श्रमशक्ति की भागीदारी बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। ●



जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट में बोले पीएम मोदी

विकास यात्रा निरंतरता की अनिवार्य शर्त

स्वच्छ, स्पष्ट और स्थिर शासन

जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की घोषणाओं पर सर्वसम्मति और अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्य बनाने में भारतीय अध्यक्षता की भूमिका और सफलता को मिली सराहना को सेलिब्रेट किया जा रहा है। जी-20 जनभागीदारी आंदोलन में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट में 1 लाख विश्वविद्यालय छात्र सहित 5 करोड़ से अधिक युवाओं की रिकॉर्ड भागीदारी हुई। जी-20 अध्यक्षता की सफलता के भागीदार और जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों से 22 सितंबर और जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले से जुड़े छात्रों के साथ 26 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया संवाद क्योंकि भारत युवा शक्ति द्वारा संचालित सकारात्मक परिवर्तनों का बन रहा है गवाह...

भारत के पास जी-20 अध्यक्षता नवंबर, 2023 तक है। नई दिल्ली के शिखर सम्मेलन में नेताओं की घोषणाओं पर सर्वसम्मति बनी तो अभी आगे बढ़ाने के लिए कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुंबई में 16 सितंबर को वित्तीय समावेशन के लिए चौथी जी-20 ग्लोबल पार्टनरशिप की बैठक, 18-19 सितंबर तक रायपुर में चौथी फ्रेमवर्क कार्य समूह की बैठक, चौथी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला कार्य समूह की बैठक 20-22 सितंबर तक सियोल-कोरिया में और 21-22 सितंबर को इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य समूह की बैठक खजुराहो में संपन्न हुई। इस बीच जी-20 की भारतीय अध्यक्षता में मिली वैश्विक सराहना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले को संबोधित किया। इस दौरान भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन विषय से संबंधित, भारत की जी-20 अध्यक्षता की भव्य सफलताः दूरदर्शी नेतृत्व, समावेशी दृष्टिकोण; भारत की







भारत की कूटनीति ने 30 दिनों में छुई नई ऊंचाइयां

- 30 दिनों में विश्व के 85 राजनेताओं से मुलाकात की जो दुनिया के लगभग आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- जी-20 से पहले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत के प्रयासों से छह नए देशों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया।
- दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ग्रीस की पहली यात्रा।
- इंडोनेशिया में विश्व के कई राजनेताओं से प्रधानमंत्री की मुलाकात।
- भारत मंडपम में जी-20 अध्यक्षता के दौरान दुनिया के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।
- वैश्विक स्तर पर ध्रुवीकृत माहौल में एक ही मंच पर सभी सदस्य देशों के लिए एक साझा आधार प्राप्त करना सरकार के लिए एक विशेष उपलब्धि रही।
- सर्वसम्मति से हुई नई दिल्ली घोषणा पूरी दुनिया में सुर्खियां बन गई।
- जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल कराना।
- भारत के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय जैव ईंधन गठबंधन तथा भारत मध्य-पूर्व यूरोपीय गलियारे का फैसला।
- जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस की यात्रा, सऊदी अरब भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है।
- भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि बढ़ी जिससे भारत को नए अवसर, नए दोस्त और नए बाजार मिल रहे हैं।

जी20 अध्यक्षताः वसुधैव कुटुंबकम; जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सार-संग्रह और जी-20 में भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन शीर्षक वाले 4 पुस्तकों का विमोचन भी किया।

पीएम मोदी ने युवाओं से कहा कि भारत ने जी-20 जैसे आयोजन के मानकों को ऊपर उठाया है। दुनिया इससे बेहद आश्चर्यचकित है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं हैं क्योंकि "इस तरह के पैमाने वाले आयोजनों का सफल होना निश्चित हो जाता है, जब इनकी जिम्मेदारी युवा ले लेते हैं।" पीएम मोदी ने देश में हो रहे सकारात्मक विकास का श्रेय राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता और लोकतांत्रिक मूल्यों को दिया। सरकार ने पिछले 9 वर्षों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। आज ईमानदार लोगों को पुरस्कृत किया जा रहा है जबकि बेईमानों पर कार्रवाई की जा रही है। देश की विकास यात्रा जारी रखने के लिए स्वच्छ, स्पष्ट और स्थिर शासन एक अनिवार्य शर्त होती है। संबोधन के कुछ मुख्य अंशः

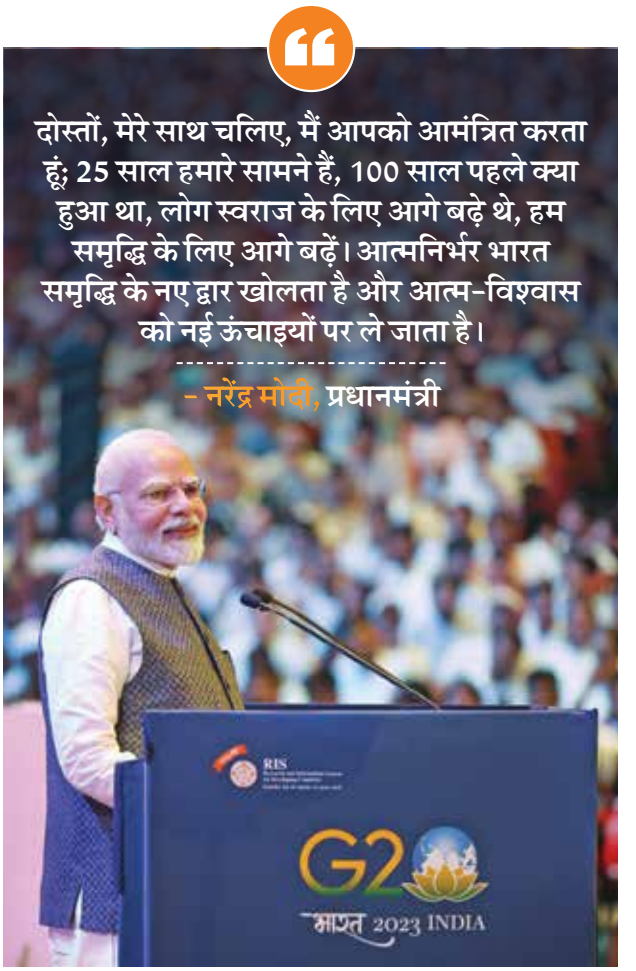
- जी-20 अध्यक्षता को सिर्फ राजनयिक और दिल्ली केंद्रित कार्यक्रम तक सीमित रख सकते थे लेकिन भारत ने इसे जन संचालित जन आंदोलन बना दिया।
- जी-20 में कुछ फैसले ऐसे हुए हैं जो 21वीं सदी की पूरी दिशा ही बदलने की क्षमता रखते हैं। आज के ध्रुवीकृत अंतरराष्ट्रीय माहौल में इतने सारे देशों को एक मंच पर लाना बहुत बड़ी बात है। हमारे नई दिल्ली घोषणा को लेकर शत-प्रतिशत सहमति तो अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बनीं।
- दुनिया को भारत का और भारत के युवाओं का पोटेंशियल और परफॉर्मेंस, दोनों पता है। दुनिया की प्रगति के लिए भारत की प्रगति और भारत के युवाओं की प्रगति आवश्यक है।
- आज भारत पर दुनिया का भरोसा बुलंद है, भारत में निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आज भारत का मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमारा निर्यात नए रिकॉर्ड बना रहा है।
- युवा वहीं आगे बढ़ते हैं जहां आशावाद, अवसर और खुलापन होता है। युवाओं को मेरा संदेश है - बड़ा सोचो।
- हमारी युवा शक्ति ने भारत को एक आदर्श स्थान बना दिया है। जिस कार्यक्रम को सफल बनाने का बीड़ा हमारे छात्र उठा लेते हैं तो फिर उसे सफल होना ही होता है। युवाओं की वजह से पूरा भारत ही एक हैपनिंग प्लेस बन गया है।

जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़े जमीनी अधिकारियों से की बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत में जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता में योगदान देने वाले लगभग 3,000 लोगों ने भाग लिया। विशेष रूप से विभिन्न मंत्रालयों के सफाईकर्मी, ड्राइवर, वेटर और अन्य कर्मचारी शामिल रहे। अधिकारी और मंत्री भी शामिल हुए। पेश हैं मुख्य अंशः

- अधिकारियों से अपने अनुभवों और सीखों का दस्तावेज तैयार करने का सुझाव दिया। इस प्रकार के दस्तावेज भविष्य के आयोजनों के लिए उपयोगी दिशानिर्देश तैयार कर सकते हैं।
- आज का कार्यक्रम मजदूरों की एकता के बारे में है- आप और मैं दोनों मजदूर हैं।
- कार्यालय के नियमित कामकाज में हमें अपने सहकर्मियों की क्षमताओं का पता नहीं चलता। क्षेत्र में सामूहिक रूप से काम करते समय अलग-थलग रहकर, काम करने की भावना खत्म होती है और एक टीम का निर्माण होता है।
- जी-20 का संचयी प्रभाव, देश की ताकत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने में सफल रहने के रूप में सामने आया है।
- मेरा देश अब आश्वस्त है कि वह ऐसे किसी भी कार्यक्रम की सर्वोत्तम संभव तरीके से मेजबानी कर सकता है।
- इस कार्यक्रम में मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी पीछे की सीटों पर बैठे हैं और जमीनी स्तर के अधिकारी सबसे आगे हैं। मुझे यह व्यवस्था पसंद आयी, क्योंकि यह मुझे आश्वस्त करती है कि मेरी बुनियाद मजबूत है।
- जी-20 के दौरान एक लाख प्रमुख निर्णय-कर्ताओं ने भारत का दौरा किया और वे भारत के पर्यटन राजदूत के रूप में वापस गए हैं। यह समय पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का है।





सार्वभौमिक वित्तीय समावेशन पर काम जारी रखने पर सहमति

वित्तीय समावेशन के लिए चौथी जी-20 ग्लोबल पार्टनरशिप (**GPFI**) की तीन दिवसीय बैठक 16 सितंबर को मुंबई में संपन्न हुई। बैठक में एमएसएमई के लिए तेजी से विकास, डिजिटल वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण के माध्यम से उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के साथ ही डिजिटल वित्तीय समावेशन और एसएमई वित्त पर चर्चा की गई। बैठक में नई दिल्ली नेताओं की घोषणा के माध्यम से, जी-20 नेताओं ने "मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास" में तेजी लाने और "सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन" की प्रतिबद्धता दोहराई है जिसे पूरा करने में एमएसएमई की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया गया। प्रतिनिधि नए जी-20 वित्तीय समावेशन कार्य योजना के तहत सार्वभौमिक वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण की दिशा में काम करते रहने पर सहमत हुए हैं। ●



Narendra Modi
@narendramodi

बहुत-बहुत बधाई! बापू की जयंती से ठीक पहले उत्तर प्रदेश की यह अभूतपूर्व उपलब्धि पूरे देश को प्रेरित करने वाली है। स्वच्छता के क्षेत्र में हमारा निरंतर प्रयास नारी शक्ति के सम्मान के साथ ही हमारे सभी परिवारजनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।



Rajnath Singh
@rajnathsingh

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi के नेतृत्व में चल रही सरकार सभी श्रमिकों के कल्याण के प्रति संवेदनशील है। इसको ध्यान में रखते हुए रक्षा मंत्रालय में यह निर्णय लिया गया है कि BRO के प्रोजेक्ट्स के निर्माण कार्य के दौरान, अल्प अवधि के लिए काम करने वाले श्रमिकों की, यदि किसी कारण से मृत्यु हो जाती है तो उनका पार्थिव शरीर उनके घर तक सुरक्षित पहुँचाया जायेगा।



Amit Shah
@AmitShah

महिला सशक्तीकरण को चरितार्थ करते मोदी जी, महिला आरक्षण लागू होने के बाद नारी शक्ति की भागीदारी के साथ समावेशी शासन के एक नए युग की शुरुआत होगी।



Nitin Gadkari
@nitin_gadkari

रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में रोजगार मेला एक अहम कदम है। रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं के सशक्तिकरण एवं राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।



Dr Mansukh Man...
@mansukhmandviya

In large numbers, people are participating in Ayushman Health Melas, organized across the country under the #AyushmanBhav campaign.
At Ayushman Health Melas, so far:
23,93,047 Ayushman Cards have been created
54,29,937 ABHA IDs have been generated



G Kishan Reddy
@kishanreddybjp

Sharing glimpses of World Tourism Awards -2023 declared by @tourismgoi
35 villages from across the country have been selected for the Best Tourism Village under three different categories: Gold, Silver, and Bronze.
The competition was launched on February 16, 2023, by @tourismgoi

भारत जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा : मोदी

पीएम बोले-20 साल पहले वाइब्रेंट गुजरात का जो बीज बोया था आज बड़ा पेड़ बन गया



साइन सिटी ने सैलेट से दी मात

पूर्व सरकार ने गुजरात को खूब वंचित किया लेकिन वह आगे बढ़ा

यह सकने का समय नहीं, अगले 25 साल बहुत अहम

साधा लक्ष्य...शूटरों ने 12 पदक के साथ जकार्ता के 9 पदकों का प्रदर्शन पीछे छोड़ा

अब तक तीन स्वर्ण, चार रजत, 5 कांस्य, जीते गए पदकों में सात बेटियों के नाम



भारत के 6जी दृष्टिकोण को मिली आईटीयू के अध्ययन समूह की मंजूरी

अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी के उपयोग की लागत कम होने की उम्मीद



मजबूत 6जी रणनीति विकसित करना जरूरी

पीएम मोदी ने प्रस्ताव में टिकाऊ व सर्वव्यापी बनाने पर दिया है जोर

युवा किसी कार्यक्रम से जुड़ें तो सफलता निश्चित

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट में युवाओं को बड़ा सोचने का दिया संदेश

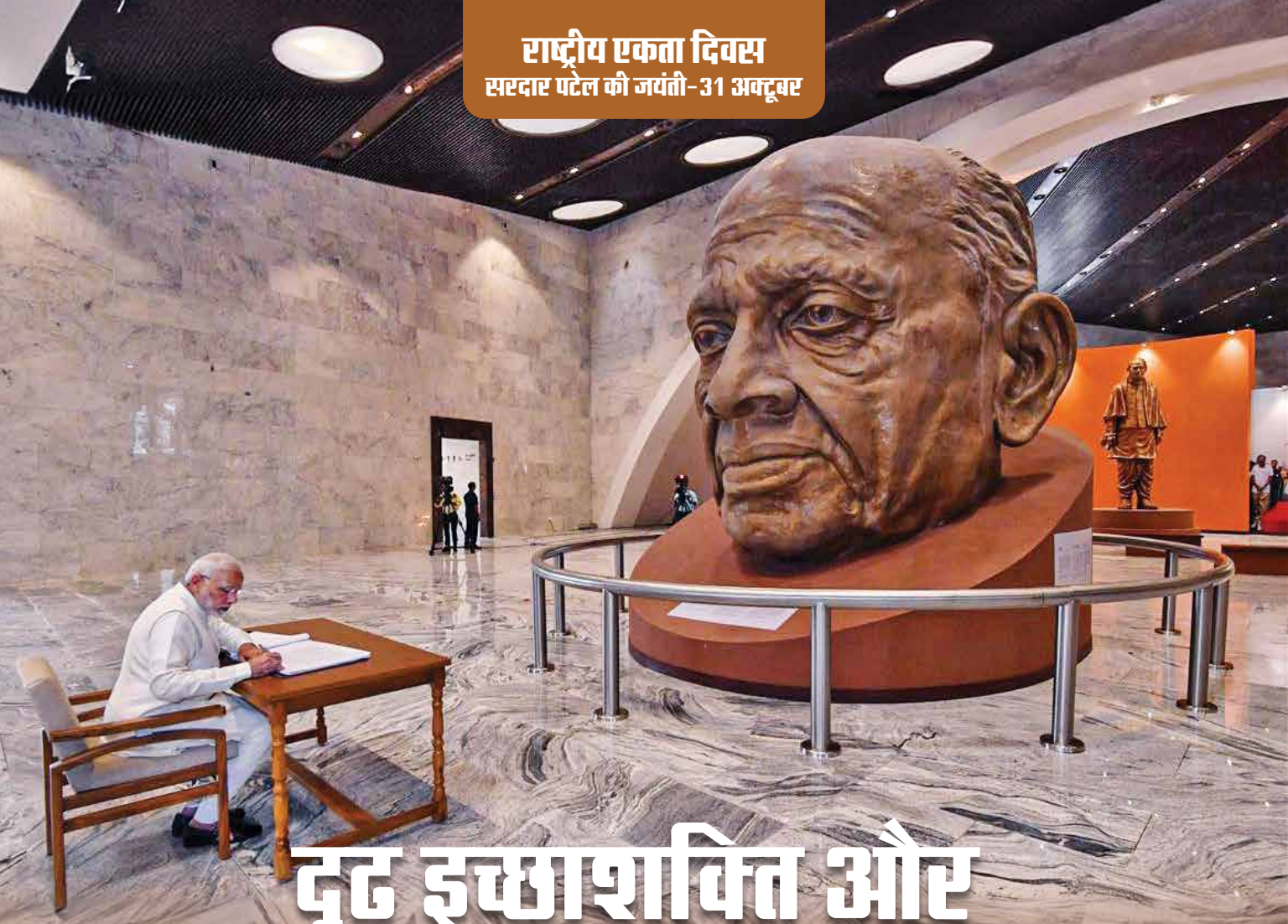
महिलाओं की भागीदारी के हमेशा पक्षधर रहे हैं पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी हमेशा से जनप्रतिनिधित्व में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी के समर्थक रहे हैं। 2000 में वह जब भाजपा के महासचिव थे, तब भी उन्होंने महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन किया था। मोदी ने 2000 में महिला आरक्षण को लेकर कहा था कि राजनीतिक दलों को सर्वसम्मति के साथ 33% महिला आरक्षण का कानून पारित करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण पर इंद्रजीत समिति रिपोर्ट को पूरी तरह से स्वीकार करने की मांग की थी। एक्स पर मोदी आर्काइव नाम के एक हैंडल ने उस

स्वच्छता पर जागरुकता फैलाएं यूट्यूबर : पीएम

- यूट्यूब कैलेंडर्स ऑफिस कार्यक्रम के वैश्विक संवेदन

राष्ट्रीय एकता दिवस
सरदार पटेल की जयंती-31 अक्टूबर



दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व क्षमता के सरदार

कल्पना को जमीन पर उतारने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ करने वाले कर्मयोगी थे। उन्होंने भारत की आजादी, अखंड भारत के निर्माण और नए भारत की नींव डालने के लिए पूरे भारत की 550 से ज्यादा रियासतों और राजा-रजवाड़ों को एकत्रित करने का काम किया। पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व क्षमता के कारण देश आज भी उन्हें सरदार के रूप में याद करता है। सरदार पटेल की जयंती और 'राष्ट्रीय एकता दिवस' महज एक तारीख नहीं, यह भारत के सांस्कृतिक सामर्थ्य का एक महापर्व भी है। हर भारतीय के दिल में बसने वाले सरदार पटेल का जीवन है प्रेरणास्रोत...

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, हमें निरंतर अहसास दिलाता है कि आजादी के समय अगर भारत के पास सरदार पटेल जैसा नेतृत्व न होता, तो क्या होता? क्या होता अगर साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतें एकजुट नहीं हुई होतीं? क्या होता अगर हमारे ज्यादातर राजे-रजवाड़े त्याग की पराकाष्ठा नहीं दिखाते, मां भारती में आस्था नहीं दिखाते? आज हम जैसा भारत देख रहे हैं, हम उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते थे। ये कठिन कार्य, ये असंभव कार्य, सिर्फ और सिर्फ सरदार पटेल ने ही सिद्ध किया।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

न्यू इंडिया समाचार
पाक्षिक

आर.एन.आई, DELHIN/2020/78812, 16-31 अक्टूबर, 2023

आरएनआई DELHIN/2020/78812, दिल्ली पोस्टल लाइसेंस नंबर- DL (S)-1/3550/2023-25 डब्ल्यूपीपी संख्या- U (S)-98/2023-25, posting at BPC, Market Road, New Delhi - 110001 on 13-17 advance Fortnightly (प्रकाशन तिथि- 5 अक्टूबर 2023, कुल पृष्ठ-44)

प्रधान संपादक:
मनीष देसाई, प्रधान महानिदेशक,
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

प्रकाशक और मुद्रक:
धीरेन्द्र ओझा, महानिदेशक
केंद्रीय संचार ब्यूरो

कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो,
सूचना भवन, द्वितीय तल,
नई दिल्ली- 110003 से प्रकाशित

मुद्रण: इनफिनिटी एडवर्टाइजिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड,
एफबीडी वन कॉर्पोरेट पार्क, 10वीं मंजिल, नई दिल्ली-
फरीदाबाद बॉर्डर, एनएच-1, फरीदाबाद-121003